राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 09 जून 2023 वर्ष–6,अंक–135 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन नेता, 160 सीटें और फेरबदल की तैयारी; 2024 के लिए कैसे पेच कसने में जुटी भाजपा

पार्टी में अंदरखाने चर्चा है कि ऐसे कई पदाधिकारी हैं, जो अहम जिम्मेदारी पर हैं, लेकिन चुनाव लड़ने और लड़ाने का उन्हें कम ही अनुभव है। ऐसे लोगों को तरजीह मिलेगी, जो ज्यादा अनुभव रखते हैं।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा ने अब संगठन के पेच कसने की भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल सकती है और स्थानीय टीमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इसके अलावा कुछ नेताओं को नई भूमिका में भी लाया जा सकता है। पार्टी में अंदरखाने चर्चा है कि ऐसे कई पदाधिकारी हैं, जो अहम जिम्मेदारी पर हैं, लेकिन चुनाव लड़ने और लड़ाने का उन्हें कम ही अनुभव है। ऐसे में उन लोगों के स्थान पर ऐसे लोगों को तरजीह दी जाएगी, जो चुनावी राजनीति का लंबा अनुभव रखते हैं। खासतौर पर महाराष्ट्र और गुजरात के बड़े नेताओं को अहम जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी यूपी और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में 2019 के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश में है। इन दो ही राज्यों से लोकसभा की 128 सीटें आती हैं। यूपी में 80 सीटें हैं और दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र हैं, जो 48 सांसद दिल्ली भेजता है। यूपी में भाजपा अपनी स्थिति को मजबूत मान कर चल रही है। इसके बाद भी उसने 9 सीटों पर फोकस करने का फैसला लिया है, जहां पहले वह जीत नहीं सकी थी।

यूपी से ज्यादा महाराष्ट्र को लेकर क्यों परेशान है भाजपा

हालांकि पार्टी को ज्यादा चिंता महाराष्ट्र को लेकर है। इसकी वजह यह है कि एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना एक साथ हैं। इन तीनों के मिल जाने से एक जनाधार तो बनता ही है। सामाजिक समीकरण भी ऐसा तैयार होता है, जो भाजपा की टेंशन बढ़ाने वाला है। तीनों दलों की एकता विदर्भ, मराठवाड़ा से लेकर मुंबई तक में भाजपा की चिंताओं को बढ़ाती है। हालांकि उसे एकनाथ शिंदे गुट से उम्मीद है। पर इसमें भी पेच यह है कि भाजपा कितनी सीटों पर खुद चुनाव लड़ती है और कहां-कहां एकनाथ शिंदे गुट को मौका देती है।

160 सीटें और तीन नेताओं को जिम्मा, क्या है भाजपा का प्लान

सोमवार और मंगलवार को अमित शाह, जेपी नड्डा और भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष के बीच मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में संगठन में फेरबदल को लेकर भी बात हुई है। खासतौर पर 2024 के लोकसभा चुनाव में किसे क्या जिम्मा दिया जाए, इसे लेकर भी बात हुई है। बता दें कि भाजपा पहले ही विनोद तावड़े, सुनील बंसल और तरुण चुग को उन सीटों पर अभियान चलाने की जिम्मेदारी दे चुकी है, जहां वह कमजोर है। ये तीनों ही नेता अमित शाह के भरोसेमंद हैं। सूत्रों का कहना है कि देश भर में भाजपा ने ऐसी 160 सीटें चुनी हैं, जहां वह ज्यादा फोकस करेगी और वह खुद को यहां कमजोर मान रही है।

दिल्ली में मिली 700 साल पुरानी सुरंग, अच्छी-अच्छी टनल को देती है मात

नई दिल्ली। ऐतिहासिक खजानों से भरी दिल्ली में एक और धरोहर मिल गई है। दक्षिणी दिल्ली में चिल्ड्रेन म्यूजियम के पास 13वीं, 14वीं शताब्दी के दौर की सुरंग मिली है। आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की ओर से सीरी फोर्ट के पास रास्ते को लेकर की जा रही खुदाई के दौरान यह सामने आई है। विजिटर्स की सुविधा के लिए फ्रंट गेट से मेन रोड के बीच रास्ता बनाने के लिए खुदाई की जा रही थी। अधिकारियों ने कहा कि धनुषाकार संरचना का आरंभिक हिस्सा दिखा है और आगे की खुदाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ढांचे को इसी तरह रखा जाएगी। सुरंग का शुरुआती हिस्सा ही अचंभित करने वाला है। यह दिखने में कुछ वैसी ही है जैसी आज के दौर में बड़ी-बड़ी मशीनों से बनाई जाती है। एएसआई के दिल्ली सर्कल के सुपरिंटेंडिंग आर्किलॉजिस्ट प्रवीण सिंह ने कहा, हम फ्रंट गेट से मेन रोड के बीच 4 मीटर चौड़ी सड़क बना रहे हैं, जिस दौरान यह ढांचा सामने आया है। चिल्ड्रेन म्यूजियम की शुरुआत 2011 में हुई थी और यहां देश और विदेश के लोकप्रिय स्मारकों और मूर्तियों की 30 प्रतिकृतियों को रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 और प्रतिकृतियां लगाने के लिए नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बना ली गई है और इसके आधार पर विकास कार्य चल रहा है। सिंह ने कहा कि म्यूजियम को अपग्रेट करने का काम चल रहा है जिसके अंदर प्रतिकृतियों को रखा जाएगा। अधिकारी ने बताया, यहां कोई औपचारिक खुदाई नहीं हो रही थी बल्कि संयोगवश खोज है। सीरी फोर्ट के दायरे में ऐसे सभी ढांचे खिलजी वंश के समय के हैं, जिनका 13वीं-14वीं शताब्दी के दौरान शासन था। हमने अब लगभग पांच-छह फीट की संरचना को उजागर कर दिया है और इसे बच्चों के लिए एक प्रदर्शन के रूप में रखेंगे, यह दिखाने के लिए कि खुदाई के दौरान ऐसी संरचनाएं कैसे खोजी जाती हैं।

लखनऊ शूट आउट में जीवा की हत्या के बाद कोर्ट रूम सील

फोरेंसिक एक्सपर्ट पहुंचे मौके पर

लखनऊ। गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या के बाद एससी/एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश नरेंद्र कुमार के कोर्ट रूम को सील कर दिया गया है। बाद में फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए कोर्ट रूम पहुंची। इस टीम ने डीसीपी और एडीसीपी से घटना का पूरा ब्योरा लिया। फिर शूटर विजय यादव के बारे में पूछा। घटनास्थल को सुरक्षित रखने के लिये वहां दो सब इंस्पेक्टर और पीएसी तैनात कर दी गई है। यह टीम गुरुवार को फिर वहां जायेगी। इस टीम ने घायल विजय से मिली जानकारी का पता किया। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ कोर्ट में बुधवार को हुई कुख्यात अपराधी संजीव जीवा उर्फ संजीव माहेश्वरी की हत्या की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का फैसला किया है। सीएम ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी गठित कर दी है। इस एसआईटी में एडीजी मोहित अग्रवाल, ज्वाइंट कमिश्नर लखनऊ नीलाब्जा चौधरी और अयोध्या के आईजी प्रवीण कुमार शामिल होंगे। एसआईटी को एक सप्ताह में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के आदेश

दिए गए हैं। मालूम हो कि वकील की पोशाक में आए हमलावर ने जीवा पर गोलियां बरसाईं। एक बदमाश को वकीलों ने पकड़ लिया और पीटा जबकि तीन भाग निकले। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा वकीलों ने हंगामा किया।

मणिपुर में सेना ने चलाया सर्च ऑपरेशन, 29 ऑटोमैटिक हथियार के साथ हैंडग्रनेड और गोला-बारूद मिले,

त्रिनेत्र न्यूज

इम्फाल। मणिपुर में 3 मई से हो रही हिंसा को लेकर पहाड़ी और घाटी इलाके में सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। बुधवार को एक जॉइंट कॉम्बिंग ऑपरेशन में सेना के जवानों और पुलिस बल ने 29 हथियार बरामद किए हैं। सेना की स्पीयर कोर विंग ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बरामद हथियारों में ज्यादातर ऑटोमैटिक हथियार हैं। वहीं कुछ मोर्टार, हैंडग्रेनेड और जंगी सामान भी बरामद किया गया है। इससे एक दिन पहले, मणिपुर सरकार के सिक्योरिटी एडवाइजर कुलदीप सिंह ने बताया था कि पिछले 24 घंटों के दौरान इंफाल ईस्ट के पोरोमपत और काकचिंग जिले के सुगनू से कुल 57 हथियार, 318 गोला बारूद और पांच बम बरामद किए गए हैं। अब तक कुल 900 हथियार और 11,518 गोला-बारूद बरामद किए जा चुके हैं।

अमित शाह की अपील के बाद 144 हथियार किए गए थे सरेंडर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोगों से हथियार सरेंडर करने की अपील की थी। इसके बाद उपद्रवियों ने

144 हथियार और 11 मैगजीन सरेंडर किए थे। इनमें SLR 29, कार्बाइन, AK, इंसास राइफल, इंसास LMG, M16 राइफल जैसी हाईटेक राइफल्स और ग्रेनेड सरेंडर किए गए थे।

मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने बताया था कि इंफाल ईस्ट में 102 हथियार और गोला बारूद मिले हैं। टेंग्नौपाल जिले में 35 हथियार सरेंडर किए गए हैं, जिसमें से 18 सिर्फ मोरे में हुए हैं। इंफाल वेस्ट से 2 हथियार, थौबल से 5 हथियार सरेंडर किए गए हैं।

घाटी जिलों में 12 और पहाड़ी जिलों में 10 घंटे के लिए कर्फ्यू से ढील दी गई

मणिपुर के पांच घाटी जिलों में फिलहाल 12 घंटे और पहाड़ी जिलों में 8 से 10 घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई है। छह अन्य पहाड़ी जिलों में कर्फ्यू नहीं है। ह#37 से जरूरी सामान की ट्रांसपोर्टिंग शुरू हो चुकी है। बुधवार को 244 ट्रक इंफाल से जिरीबाम के लिए रवाना हुए थे। 212 लोडेड टैंकर और ट्रक जिरिबाम से रवाना हुए थे। वहीं, अब तक कुल 212 लोडेड वाहन नोनी से रवाना हुए हैं।

गृह मंत्री के दौरे के बाद भी स्थिति पूरी तरह से सामान्य नहीं

सरकारी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद भी स्थिति पूरी तरह से सामान्य नहीं हुई है। कुछ लोगों ने हथियार सरेंडर किए हैं। अभी बहुत कुछ होना बाकी है।

ट्रेन हादसे के 6 दिन बाद भी अपनों के शवों का इंतजार कर रहे लोग; कई ने छोड़ दी आस

भुवनेश्वर। ओडिशा में रेल हादसे को 6 दिन बीत जाने के बाद भी लोग अपने परिजनों के शव का इंतजार कर रहे हैं। लगभग 100 शवों की पहचान की पुष्टि नहीं हो पाई है। लोग भूखे-प्यासे भुवनेश्वर एम्स के बाहर बैठे हैं। दरअसल शवों की पहचान करने के लिए दावा करने वालों का डीएनए सैंपल भुवनेश्वर एम्स में लिया गया है। एम्स के अलावा पांच केंद्रों पर लोगों के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई से एक पीड़ित के पिता ने बताया कि अस्पताल वालों ने पहचानने के बाद भी उनके बेटे का शव नहीं दिया। कहा गया कि डीएनए रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, मेरा बेटा हादसे में मारा गया। उसके साथ तीन और लोग थे। दो मिल गए हैं और एक अस्पताल में है। मैंने अपने बेटे का शव पहचान लिया लेकिन मुझे दिया नहीं गया। उसके हाथ पर धागा बंधा था। ये लोग कह रहे हैं कि डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही शव दिया जाएगा। मेरे पास खाने के भी पैसे नहीं हैं। बहुत सारे लोग डीएनए सैंपल देने के बाद अपने घर लौट गए। उनके पास रुकने की कोई व्यवस्था नहीं थी। वहीं बहुत सारे लोगों ने अपने परिजनों के शवों की भी आस छोड़ दी है। एक शख्स ने कहा, अब तक मेरे भाई की लाश नहीं मिली है। मैं भी सोचता हूं घर लौट जाऊं। मैंने बहुत कोशिश कर ली। तीन दिन हो गए हैं। मेरा डीएनए लिया गया है और घर वापस जाने को कहा गया है। अब तक कुल 30 डीएनए सैंपल लिए गए हैं। इस बीच सरकार ने सभी डीएनए सैंपल्स को दिल्ली एम्स भेजने का फैसला किया है। शव अब भी कोल्ड रूम मे रखे हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस हादसे में 288 लोगों की जान गई है। 193 शवों को भुवनेश्वर भेजा गया था और 94 को बालासोर। एक शख्स की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

अंबुजा फाउंडेशन नागौर और पाली जिले में करेगा 26 जलनिकायों का पुनरुद्धार

जयपुर। अंबुजा फाउंडेशन राजस्थान के नागौर और पाली जिले में 26 जलनिकायों का पुनरुद्धार करेगा और इसके लिए इन जलनिकायों के गहरीकरण का कार्य शीघ्र शुरु किया जायेगा। अंबुजा फाउंडेशन की निदेशक और सीईओ पर्ल तिवारी ने बताया कि नीति आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार अंबुजा फाउंडेशन इन दोनों जिलों के 26 जल निकायों के गहरीकरण का कार्य शीघ्र ही आरंभ करने जा रहा है और आगामी मानसून की शुरुआत से पहले गहरीकरण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य है जिससे वर्षा से प्राप्त होने वाले जल को एकत्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि पाली जिले में राबडियावास, बलाड़ा, लाम्बिया, पाटन,

रास एवं बख्तावरपुरा तथा

नागोर जिले में खेरवाड़ एवं सोलियाना आदि गांवों में यह कार्य किया जायेगा।

यह पहल प्रधानमंत्री के अमृत सरोवर के दृष्टिकोण के अनुरूप है जिसके तहत आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और कायाकल्प किये जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

इन जल निकायों को पुनर्जीवित करने से नागौर और पाली जिले में दो लाख 32 हजार सेंटीमीटर घनमीटर अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता का विस्तार होगा और 17 गांवों को पर्याप्त पानी भी मिल सकेगा। सतत विकास की सुनिश्चितता के लिए, अंबुजा फाउंडेशन समुदाय आधारित संस्थानों का गठन करेगा और ग्रामीणों को पुनरुद्धार कार्य में सम्मिलित भी करेगा। इसके लिए लोगों से मिट्टी की खुदाई, ट्रैक्टरों से उत्खनन और तालाबों से गाद (सिल्ट) हटाने और सिल्ट को खेतों तक पहुंचाने जैसे कार्य कराये जाएंगे। सिल्ट को मिट्टी की नमी के लिए अत्यधिक लाभदायक माना जाता है और इस प्रकार इन तालाबों से निकाली गई सिल्ट आने वाले मौसम में फसल उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होगी।

नीति आयोग ने इस परियोजना को आगामी मानसून की शुरुआत से पहले सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अंबुजा फाउंडेशन को नागौर और पाली के जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करने के लिए स्वीकृति दी है। इस पहल के लिए अंबुजा फाउंडेशन, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और भूमि संसाधन विभाग द्वारा चलाई जाने वाली किसी भी योजना का लाभ उठाने के लिए भी स्वतंत्र है।

आरी से काटा और टुकड़ों को कुकर में उबाला; मुंबई में 56 साल के लिव इन पार्टनर ने किया महिला का कत्ल

मुंबई। दिल्ली के श्रद्धा मर्डर केस जैसा ही एक मामला मुंबई में सामने आया है। यहां एक 56 साल के शख्स ने अपनी लिव इन पार्टनर का कत्ल कर दिया और फिर आरी से शव के टुकड़े कर डाले। यही नहीं आसपास में किसी को शक ना हो और बदबू ना आए, इसके लिए वह शरीर के टुकड़े एक-एक कर फेंकता रहा। पुलिस सूत्रों का तो यहां तक करना है कि मनोज नाम का यह शख्स लिव इन पार्टनर सरस्वती के शव के टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबालता भी था ताकि बदबू को खत्म कर सके। उसके घर से 32 साल की सरस्वती के शरीर के निचले अंग ही पाए गए हैं, जबकि ऊपरी हिस्से को मनोज ने गायब कर दिया।

पुलिस सूत्रों ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि यह वीभत्स हत्याकांड शायद दो से तीन पहले ही हुआ था। 56 साल के मनोज साहनी के साथ 32 वर्षीय सरस्वती वैद्य लिव इन रिलेशनशिप में रहती थी। दोनों मीरा रोड पर स्थित गीता नगर की आकाशदीप बिल्डिंग में रह रहे थे। आसपास के लोगों का कहना है कि दोनों ही यहां तीन साल से साथ रह रहे थे। नयानगर पुलिस का कहना है कि बुधवार को बिल्डिंग में रहने वाले कुछ लोगों ने शिकायत की थी। इन लोगों का कहना था कि कपल जिस फ्लैट में रहता है, वहां से बदबू आ रही है।

घर में मिले शव के टुकड़े, निचला हिस्सा ही बचा; क्या बोली पुलिस

शिकायत पर जब पुलिस पहुंची तो फ्लैट के अंदर से शव के टुकड़े मिले हैं और मनोज साहनी को अरेस्ट कर लिया गया है। डिप्टी पुलिस कमिश्नर जयंत बाजबाले ने कहा कि हमने साहनी को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल इस बात का पता लगाया जा रहा है कि उसने क्यों मर्डर को अंजाम दिया और कैसे यह हत्याकांड हुआ। उन्होंने कहा कि हमें शक है कि मनोज ने अपनी लिव इन पार्टनर को मारकर उसके शव के टुकड़े कर डाले और फिर उन्हें ठिकाने लगा रहा था ताकि किसी को पता ना चले। नयानगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला के शव के टुकड़े अब भी गायब हैं।

किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करते थे कपल–आरोपी से पूछताछ की जा रही है। संदेह है कि उसने जहां-तहां के शव के टुकड़ों को सबूत मिटाने के मकसद से फेंका है। पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने के आरोपों में केस दर्ज कर लिया है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है और सारे सबूत फ्लैट से इकट्ठा किए गए हैं। बिल्डिंग में रहने वाले लोगों ने कहा कि कपल की ज्यादा बातचीत किसी से नहीं थी। वह अपने आप में ही बिजी रहते थे। वे लोग जिस फ्लैट में रहते थे, वहां कोई नेम प्लेट भी नहीं लगी थी। यह फ्लैट सोनम बिल्डर्स के नाम पर रजिस्टर्ड था।

संपादकीय

मणिपुर का संकट

पिछले सप्ताह यह लगने लगा था कि मणिपुर में शांति के लौटने में अब देर नहीं लगेगी। जिस तरह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर की राजधानी इंफाल गए और लगातार चार दिनों तक वहां रहे, उससे यह साफ हो गया कि केंद्र सरकार अब इस राज्य को पटरी पर लाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। उन्होंने वहां समस्या को सुलझाने और बहुत से टूटे हुए सिरों को जोड़ने की जो कोशिशें कीं, उन पर काफी कुछ लिखा जा चुका है। इसका असर भी दिखा और कई उग्रवादियों ने अपने हथियार भी डाले। उनके प्रयास यहीं तक सीमित नहीं रहे। राज्य में लगातार खराब हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने वहां संविधान के अनुच्छेद 355 को लागू करने का फैसला किया है। वह भी तब, जब प्रदेश में खुद भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। अब वहां अर्द्धसैनिक बलों को सीधे केंद्र तैनात कर सकेगा और ये बल उसके निर्देश पर ही काम करेंगे। हालांकि, बुधवार को मणिपुर के कुकी समुदाय की महिलाओं ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन किया, तो उनकी मुख्य मांग यही थी कि राज्य में अनुच्छेद 355 नहीं, बल्कि अनुच्छेद 356 लागू किया जाए। वे चाहती हैं कि वहां राष्ट्रपति शासन लागू हो और राज्य में शासन की बागडोर पूरी तरह से केंद्र सरकार ही संभाले। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि केंद्र की भरसक कोशिशों के बाद भी अभी तक मणिपुर में हिंसा खत्म नहीं हुई है। यह बताता है कि समस्या लगातार जटिल होती जा रही है और राज्य को पहले की स्थिति में लाने के लिए अभी बहुत से और प्रयासों की जरूरत पड़ सकती है। हालात कितने खराब हो चुके हैं, इसे नई घटनाओं से समझा जा सकता है। इंफाल में एक एंबुलेंस में उपचार के लिए जा रहे मां-बेटे और एक अन्य रिश्तेदार को दो हजार लोगों की भीड़ ने घेर लिया और एंबुलेंस में आग लगा दी। तीनों की जलकर मृत्यु हो गई। यह घटना सिर्फ यही नहीं बताती कि वहां कुछ लोग किस हद तक निर्दयी हो गए हैं, बल्कि यह भी बताती है कि एक तरह का हिंसक पागलपन वहां बढ़ता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस भीड़ ने यह हिंसा की, वह मैतेई समुदाय के लोगों की बताई जाती है, और जिन्हें जिंदा जला दिया गया, वे भी इसी समुदाय के थे। हिंसा का पागलपन भीड़ के सोचने-समझने की क्षमता भी छीन लेता है। उधर अर्द्धसैनिक बलों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सीमा सुरक्षा बल के एक जवान की गोली लगने से जान चली गई, जबकि असम राइफल्स के दो जवान घायल हो गए। स्थानीय अखबार लिख रहे हैं कि इस समय इंफाल से बाहर जाने वाली कोई भी सड़क सुरक्षित नहीं है। मणिपुर में इस समय सबसे जरूरी यही है कि दोनों समुदायों के बीच जो अविश्वास का माहौल बना है, उसे किसी भी तरह दूर किया जाए। इसमें स्थानीय राजनेताओं से सर्वाधिक उम्मीद की जा सकती है, लेकिन खबरों के अनुसार राज्य के विधायक ही सामुदायिक आधार पर पूरी तरह से बंट गए हैं। जाहिर है, इससे केंद्र सरकार की चुनौती और बढ़ गई है। राज्य में शांति कायम करने के लिए उसे राजनीतिक और सामाजिक, दोनों ही स्तरों पर काम करना होगा। प्रशासनिक स्तर पर तो तमाम इंतजाम कर दिए गए हैं, लेकिन ताजा घटनाएं बता रही हैं कि इतना ही काफी नहीं है। पूर्वोत्तर के इस छोटे से राज्य को संकट से निकालना इस समय देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

समलैंगिक विवाह भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात

(लेखक- विजय कुमार जैन)

भारत की सर्वोच्च न्यायालय में वर्तमान में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के प्रकरण पर विचार चल रहा है। इस विषय पर समलैंगिक विवाह के पक्षधर लोगों द्वारा यह दलील दी जा रही है कि समलैंगिक लोगों को विवाह का अधिकार नहीं देना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत केवल महिला और पुरुष को एक दूसरे से विवाह के करने की स्वीकार्यता का प्रावधान है। मामले को न्यायालय में ले जाने वालों की दलील है कि इस प्रावधान का जैडर न्यूट्रल होना चाहिए। केंद्र सरकार का स्पष्ट कहना है कि ऐसा कोई अधिकार उसे विवाह की परिभाषा बदलने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इस प्रकार की शादी को मान्यता दी गई तो समाज पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। इससे कई अन्य कानूनों के प्रावधान भी प्रभावित होंगे। सरकार के साथ ही समाज में भी बड़ा वर्ग है जो इस तरह के विवाह को मान्यता दिए जाने का विरोध कर रहा है। लगभग सभी का तर्क यही है कि इससे समाज में परिवार नाम की संस्था के अस्तित्व पर संकट आएगा। समाज का ढांचा प्रभावित होगा। उनका कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर भी समलैंगिक विवाह को स्वीकार्यता मिलना संभव नहीं है। अदालत में सुनवाई के साथ कई समूहों ने इसका विरोध करना भी शुरू कर दिया है। ऐसे में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की स्थिति में आने वाले वैधानिक संकट और समाज पर इससे पड़ने वाले प्रभावों की पड़ताल हम सभी के लिए बड़ा मुद्दा है।

भारत में प्राचीन परंपरा व्यक्ति के जीवन से मृत्यु तक सोलह संस्कारों की रही है। सोलह संस्कारों में शुभ विवाह को पाणिग्रहण संस्कार कहा जाता है। लगभग सभी समाजों में युवक एवं युवती की जन्म कुंडली गृह नक्षत्रों के मिलान कर ही शुभ विवाह करने का प्रावधान है।

जैन दर्शन के मर्मज्ञ एवं सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अभिभाषण विनय कुमार जैन निवासी गुना ने समलैंगिक विवाह की मांग पर अपने मुखर विचार व्यक्त किये हैं आपका कहना है जैन दर्शन में धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से संसार के भव भ्रमण का नाश करते हुए मोक्ष पद की प्राप्ति करना ही व्यक्ति के जीवन का अंतिम लक्ष्य माना गया है। और इसके लिए सर्वोत्तम साधन अविवाहित रहते हुए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना है।लेकिन यदि किन्हीं परिस्थितियों के कारण व्यक्ति को अविवाहित रहना संभव न हो और उसे विवाह करना आवश्यक ही हो तो वह अपने वैवाहिक जीवन में एकनिष्ठ रहते हुए मुक्तिपथ का अनुगामी हो सकता है । जैन दर्शन में और भारतीय संस्कृति में वैवाहिक जीवन को गृहस्थाश्रम कहा गया है। इस अवस्था को गृहस्थ धर्म का पालन करना भी कहा गया है। विवाह का अर्थ काम- वासना में लिप्त हो जाना नहीं है, अपितु संयम की साधना करते हुए वंशवृद्धि के लिए उत्तम संतान को जन्म देना भी है, इस संतान को श्रेष्ठ संस्कार देना भी गृहस्थ धर्म का एक दायित्व है। जिससे वह संतान आगे चलकर धर्म वृद्धि करते हुए स्वयं का और अन्य जीवों का कल्याण कर सके। इस प्रकार स्थूल रूप में कहें तो वैवाहिक जीवन सदाचार को बढ़ावा देने के लिए वंश, समाज और धर्म की वृद्धि के लिए है तथा इसमें व्यभिचार का कोई स्थान नहीं है। इसके माध्यम से आदर्श सामाजिक जीवन जिया जाता है।

इन दिनों समलैंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता देने के लिए बहुत आग्रह किया जा रहे हैं। किंतु यह आग्रह प्रथम दृष्टया ही दुराग्रह प्रतीत होते हैं क्योंकि वैवाहिक जीवन जिसे गृहस्थ धर्म का पालन करने की संज्ञा दी गई है केवल और केवल विपरीत लिंगधारी अर्थात स्त्री- पुरुष के मध्य ही संभव हो सकता है। दो समलैंगिक परस्पर एक दूसरे के अच्छे मित्र हो सकते हैं, वे एक दूसरे के जीवन यापन में भौतिक उन्नति प्रदान करने के लिए सहायक हो सकते हैं। और ब्रह्मचर्यपूर्वक रहते हुए एक दूसरे को धर्म पथ पर अग्रसर रहने में सहायक हो सकते हैं। वे साथ-साथ रहकर भी अच्छे नागरिक बने रह सकते हैं। परंतु ऐसे साथ-साथ रहने को विवाह नाम के पवित्र गठबंधन का नाम नहीं दिया जा सकता है। *समलैंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता दिलाने की मांग जीवन में उच्च नैतिक आदर्शों की स्थापना करने के लिए नहीं है अपितु व्यभिचार को सामाजिक मान्यता दिलाने का दुराग्रह मात्र ही है*।

गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए अपने वंश, धर्म और संस्कारों की रक्षा के लिए संतान उत्पत्ति का लक्ष्य भी समलैंगिक विवाह के द्वारा समाप्त ही हो जाएगा। अंग्रेजी शासन काल में लॉर्ड मैकाले ने गहन अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला था कि भारतीय संस्कृति में गुरुकुल पद्धति के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति के जिन आदर्श संस्कारों का बीजारोपण करते हुए आदर्श नागरिकों का निर्माण किया जाता है, उन गुरुकुल को नष्ट किए बिना अंग्रेजी शासन को भारत वर्ष में बनाए रखना संभव नहीं है क्योंकि गुरूकुल की शिक्षा प्रणाली जीवन में आत्मोन्नति के संस्कार देती है और यह संस्कार गुलामी के बंधन में बांधे रखने में बहुत बाधक हैं अतः अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति को आमूल चूल रूप से नष्ट किया और उसके दुष्परिणाम सामने आए। *इसी प्रकार समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग हमारे दर्शन और उच्च नैतिक जीवन के संस्कारों के हरे-भरे और घने वृक्ष की जड़ों पर प्रहार करने के समान है। ऐसी मांग के कुल्हाड़ों की धार को समय रहते ही नष्ट नहीं किया गया तो हमारे गृहस्थ धर्म को और उच्च नैतिक मापदंडों पर आधारित सामाजिक जीवन को शनैः शनैः नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकेगा।* दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस एन ढींगरा का मत है समलैंगिक संबंध भारत में अपराध नहीं है हालांकि समाज इन्हें विवाहित जोड़े के रूप में न स्वीकारता है और ना ही ऐसे जोड़े को विवाहित जोड़ा कहने के योग्य मानता है। विवाह पति पत्नी के बीच की जिम्मेदारी है यह मानव जीवन का संस्कार है जो समाज को मजबूत करता है। श्री जयप्रकाश नारायण मिश्रा पी जी कॉलेज लखनऊ में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद चंद्रा कहते हैं समलैंगिक विवाह को मान्यता जटिल मसला है एक ओर इस समुदाय के साथ समानता का तर्क है तो दूसरी ओर सामाजिक व्यवस्था। निस्संदेह इस दिशा में बहुत संभल कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना होगा। वेनेशियन मेडिकल एसोसिएशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि समलैंगिक संबंध रखने वालों में एचआईवी एड्स का खतरा ज्यादा देखा गया है, इनमें नशे की लत, अवसाद, हेपेटाइटिस और यौन संचारित रोगों एसटीडी के होने की आशंका भी ज्यादा देखी गई है कुछ इस प्रकार के कैंसर का खतरा भी ऐसे लोगों में ज्यादा रहता है हालांकि एक वर्ग है जो ऐसी बहुत सी बीमारियों के लिए उन्हें समाज में स्वीकार्यता नहीं मिलने के कारण मानता है। सन 2008 में अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने समलैंगिकता और यौन इच्छा को लेकर कहा था इस बात को लेकर एक राय नहीं है कि यौन रुझान का कारण क्या है हालांकि कई शोध में पाया गया है कि आनुवंशिक एवं हार्मोन संबंधी कारण परवरिश सामाजिक एवं सांस्कृतिक माहौल से व्यक्ति की यौन इच्छा पर प्रभाव पड़ता है इसका कोई एक कारण नहीं है प्रकृति और परवरिश दोनों की ही इसमें भूमिका रहती है।

(नोट:- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीर जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

इसी प्रकार समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग हमारे दर्शन और उच्च नैतिक जीवन के संस्कारों के हरे-भरे और घने वृक्ष की जड़ों पर प्रहार करने के समान है। ऐसी मांग के कुल्हाड़ों की धार को समय रहते ही नष्ट नहीं किया गया तो हमारे गृहस्थ धर्म को और उच्च नैतिक मापदंडों पर आधारित सामाजिक जीवन को शनैः शनैः नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

क्रांतिकारी बिरसा मुंडाकी पुण्य तिथि

(9 जून 2021) क्रांतिकारी बिरसा मुंडाकी पुण्य तिथि

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 के दशक में छोटा किसान के गरीब परिवार में हुआ था। मुंडा एक जनजातीय समूह था जो छोटा नागपुर पठार (झारखण्ड) निवासी था। बिरसा जी को 1900 में आदिवासी लोंगो को संगठित देखकर ब्रिटिश सरकार ने आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन्हें 2 साल की सजा दी गई थी। और अंत में 9 जून 1900 को लगभग सुबह 8 बजे में अंग्रेजो द्वारा उन्हें जहर देने के कारण उनकी मौत हो गई।

आरंभिक जीवन

इनका जन्म मुंडा जनजाति के गरीब परिवार में पिता- सुगना पुर्ती(मुंडा) और माता-करमी पुर्ती(मुंडाईन) के सुपुत्र बिरसा पुर्ती (मुंडा) का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखण्ड के खुटी जिले के उलीहातु गाँव में हुआ था। साल्गा गाँव में प्रारम्भिक पढाई के बाद वे चाईबासा जी0ई0एल0चार्च(गोस्नर एवंजिलकल लुथार) विधालय में पढ़ाई किया था। इनका मन हमेशा अपने समाज की यूनाइटेड किंगडम7ब्रिटिश शासकों द्वारा की गयी बुरी दशा पर सोचते रहते थे। उन्होंने मुण्डा7मुंडा लोगों को अंग्रेजों से मुक्ति पाने के लिये अपना नेतृत्व प्रदान किया।1894 में मानसून के छोटा नागपुर पठार, छोटानागपुर में असफल होने के कारण भयंकर अकाल और महामारी फैली हुई थी। बिरसा ने पूरे मनोयोग से अपने लोगों की सेवा की।

मुंडा विद्रोह का नेतृत्व

1 अक्टूबर 1894 को नौजवान नेता के रूप में सभी मुंडाओं को एकत्र कर इन्होंने अंग्रेजो से लगान (कर) माफी के लिये आन्दोलन किया। 1895 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया और हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में दो साल के कारावास की सजा दी गयी। लेकिन बिरसा और उसके शिष्यों ने क्षेत्र की अकाल पीड़ित जनता की सहायता करने की ठान रखी थी और जिससे उन्होंने अपने जीवन काल में ही एक महापुरुष का दर्जा पाया। उन्हें उस इलाके के लोग धरती बाबा के नाम से पुकारा और पूजा करते थे। उनके प्रभाव की वृद्धि के बाद पूरे इलाके के मुंडाओं में संगठित होने की चेतना जागी।

विद्रोह में भागीदारी और अन्त

1897 से 1900 के बीच मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे और बिरसा और उसके चाहने वाले लोगों ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूँटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेज सेनाओं से हुई जिसमें पहले तो अंग्रेजी सेना हार गयी लेकिन बाद में इसके बदले उस इलाके के बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ़्तारियाँ हुईं।

जनवरी 1900 डोम्बरी पहाड़ पर एक और संघर्ष हुआ था जिसमें बहुत सी औरतें व बच्चे मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। बाद में बिरसा के कुछ शिष्यों की गिरफ़्तारियाँ भी हुईं। अन्त में स्वयं बिरसा भी 3 मार्च 1900 को चक्रधरपुर में गिरफ़्तार कर लिये गये। बिरसा ने अपनी अन्तिम साँसें 9 जून 1900 को अंग्रेजों द्वारा जहर देकर मर गया 71900 को राँची कारागार में लीं। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुण्डा को भगवान की तरह पूजा जाता है।

बिरसा मुण्डा की समाधि राँची में कोकर के निकट डिस्टिलरी पुल के पास स्थित है। वहीं उनका स्टेच्यू भी लगा है। उनकी स्मृति में रांची में बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी है। ऐसे वीर क्रांतिकारी नेता को शत शत नमन।

अमेरिका के जाल में तो नहीं फंस रहा भारत?

(लेखक - सनत जैन)

इन दिनों अमेरिका भारत को लेकर बड़ा खेल खेल रहा है। भारत अमेरिका के लिए अति महत्वपूर्ण है। नाटो संगठन भारत को अपना केंद्र बिंदु बनाना चाहता है। भारत -प्रशांत क्षेत्र में नाटो संगठन का सहयोगी देश है। नाटो संगठन ने भारत को नाटो प्लस का दर्जा देने की जो पेशकश की है। यदि यह दर्जा भारत स्वीकार कर लेता है, तो यह अमेरिका के मकड़जाल में फंसने जैसा है। भारत को इस समय अमेरिका चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को लेकर बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। इस साल मार्च माह में नाटो संगठन की जो बैठक हुई थी,उसमें भारत को अमेरिका के साथ सहभागिता बढ़ाने और चीन के साथ संबंधों को लेकर भी काफी विचार विमर्श हुआ था। भारत अपनी पुरानी विदेश नीति के कारण महाशक्तियों के जाल में फंसने से बचा रहा है। स्वतंत्रता के बाद से ही गुटनिरपेक्ष देश के रूप में भारत ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। राजनीतिक और सैन्य संबंधों को लेकर भारत कभी किसी के ऊपर आश्रित नहीं हुआ। जिसके कारण भारत सारे विवादों से दूर रहते हुए अपनी स्वतंत्र भूमिका बनाकर रख सका। नाटो के वर्तमान में 31 सदस्य देश हैं। अगर किसी सदस्य देश पर हमला होता है, तो नाटो संगठन इसे सामूहिक हमले के रूप में स्वीकार करता है। नाटो प्लस देशों को यह सुरक्षा कवच प्राप्त नहीं होता है। नाटो प्लस के सुरक्षा कवच मे नाटो संगठन संबंधित देश को खुफिया सूचनाएं हथियार और सैन्य सहयोग बढ़ाते हैं। अमेरिका और नाटो देशों के इस दबाव को भारत को स्वीकार नहीं करना चाहिए। इससे भारत को भारी दूरगामी नुकसान होगा। जो स्थिति आज पाकिस्तान और यूक्रेन की है। उससे भी ज्यादा खराब स्थिति भारत की हो सकती है। इस तथ्य को भारत सरकार को ध्यान में रखना होगा। यदि भारत ने नाटो प्लस का दर्जा स्वीकार किया। तो अन्य महाशक्तियों से भारत की दूरी बनना तय है। भारत एक उभरती हुई महाशक्ति बनने जा रहा है। भारत को सभी के साथ अपने संबंध इस तरह से रखना होंगे, कि सभी लोग भारत की निष्पक्ष और गुटनिरपेक्ष नीति के कारण भारत के ऊपर विश्वास रख सकें। तभी हमें इसका लाभ मिलेगा। पश्चिमी देश, चीन पर अंकुश लगाने के लिए भारत को एक साधन के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसके लिए भारत पर वह निरंतर अपना दबाव,तरह-तरह से बना रहे हैं। नाटो संगठन और अमेरिका अपने सहयोगी देशों का उपयोग कर उन्हें अकेला बीच मझधार में छोड़ देता है। पूर्व में हुए घटनाक्रमों से यह अच्छी तरीके से जाना जा सकता है। भारत यदि नाटो प्लस में शामिल होगा। तो भारत के अन्य देशों के साथ विशेष रुप से रूस -चीन जैसे देशों से दूरियां बनेगी। जो वर्तमान परिस्थितियों में सबसे घातक होंगी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनायिक यात्रा पर अमेरिका जा रहे हैं। भारत अमेरिका से फाइटर जेट इंजन की तकनीकी साझा करने पर चर्चा कर रहा है। भारत अमेरिका से 30 ड्रोन खरीदने की योजना भी बना रहा है। 3 अरब डालर से ज्यादा का यह सौदा अमेरिका के साथ होगा। इस यात्रा के दौरान अमेरिका हर हालत में भारत को प्रभावित कर, नाटो प्लस का दर्जा स्वीकार करने का दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत यदि अमेरिका के दबाव में आ गया, तो सारी दुनिया के देशों में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया,निश्चित रूप से होगी। अभी जो वर्तमान हालत बने हुए हैं। उसमें रूस और चीन के साथ भारत के संबंधों में तनाव बढ़ना तय है । नाटो प्लस देशों को नाटो संगठन में भारत को वह सुरक्षा भी प्राप्त नहीं होगी,जिस तरह की सुरक्षा हमें 1971 के युद्ध के समय रूस से सुरक्षा संधि करने के रूप में मिली थी। भारत और रूस संधि के कारण भारत-पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तान से बांग्लादेश को अलग करने में भारत सफल रहा। वरन अमेरिका के 7 वें बेड़े का मुकाबला करने में रूस के साथ की गई सुरक्षा संधि के कारण सफल हो पाया था। भारत का अमेरिका के साथ कभी भी सहयोगी का संबंध ना होकर,केवल व्यापारिक रिश्ते ही रहे हैं। अमेरिका भारत के साथ हमेशा प्रोफेशनल संबंधों को प्राथमिकता देता रहा है। पहले भी अमेरिका,पाकिस्तान और अन्य भारत विरोधी देशों की सहायता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करके भारत को आतंकी हमलों की साजिश का शिकार बनाता रहा है। अमेरिका अभी भी यही करता है, अमेरिका की यह फितरत हमेशा से रहिए और आगे भी बनी रहेगी। ऐसी स्थिति में भारत को नाटो प्लस का दर्जा किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करना चाहिए। नाटो प्लस का सदस्य बनते ही भारत का अमेरिका के सैन्य संगठन से जुड़ाव हो जाएगा। उसके बाद भारत की आंतरिक एवं बाहय स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। अमेरिका और नाटो देशों का हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। यह किसी भी किश्म से भारत के हित में नहीं होगा। नाटो महत्वपूर्ण देशों का ताकतवर संगठन है इसके साथ संवाद सतत बनाए रखना और समय-समय पर स्थितियों के अनुसार निर्णय लेने पर ही भारत के हित सुरक्षित होंगे भारत अपने आप को विश्व गुरु की भूमिका में स्थापित करने के प्रयास में लगा हुआ है भारत सनातनी परंपराओं के विचारों से ओतप्रोत होकर हमेशा शांति का पक्षधर रहा है वहीं नाटो संगठन अभी भी युद्ध की मानसिकता में फंसा हुआ है।

सोने-चांदी में गिरावट रुकी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट रुक गयी। एमसीएक्स पर डिलीवरी वाला सोना हल्की बढ़त के साथ ही 59,509 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। इस सोने का शीर्ष स्तर 62,397 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर डिलीवरी वाली चांदी की कीमतें 0.87 फीसदी या 622 रुपये की बढ़त के साथ 72,347 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करता दिखीं। इस चांदी का उच्च स्तर 78,791 रुपये प्रति किलोग्राम है। दुनिया भर में सोने की कीमतों में उछल आया है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.20 फीसदी या 4 डॉलर की बढ़त के साथ ही 1962.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.38 फीसदी या 7.40 डॉलर की बढ़त के साथ 1947.42 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा जबकि कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 1.13 फीसदी या 0.27 डॉलर की बढ़त के साथ 23.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इसके अलावा चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत 1.28 फीसदी या 0.30 डॉलर की बढ़त के साथ 23.73 डॉलर प्रति औंस थी।

आरबीआई की मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक में लिए गये निर्णयों की मुख्य बातें इस प्रकार है- रेपो दर 6.50 प्रतिशत पर यथावत, स्टैंडर्ड जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) 6.25 प्रतिशत पर स्थिर, मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा दर (एमएसएफआर) 6.75 प्रतिशत पर यथावत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत स्थिर, फिक्स्ड रिजर्व रेपो दर 3.35 प्रतिशत बरकरार, नकद आरक्षित अनुपात 4.50 प्रतिशत पर, वैधानिक तरलता अनुपात 18 प्रतिशत पर यथावत, चालू वित्त वर्ष में विकास अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया, पहली तिमाही में जीडीपी 8 प्रतिशत रह सकता है। दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.0 प्रतिशत और चौथी तिमाही में यह 5.7 प्रतिशत रह सकती है, मार्च 2023 में समाप्त वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर 7.2 प्रतिशत रही, चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान, पहली तिमाही में खुदरा महंगाई 4.6 प्रतिशत पर, दूसरी तिमाही में खुदरा महंगाई 5.2 प्रतिशत पर, तीसरी तिमाही में खुदरा महंगाई 5.4 प्रतिशत पर, चौथी तिमाही में खुदरा महंगाई 5.2 प्रतिशत रह सकती है, मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 8 से 10 अगस्त 2023 को होगी।

ओईसीडी ने वित्त वर्ष 24 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 6 फीसदी किया

मुंबई । आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने वित्त वर्ष 24 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को मामूली बढ़ाकर 6 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले 5.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था। इसके साथ ही संगठन ने कमजोर वैश्विक मांग और मौद्रिक सख्ती की बाधाएं बरकरार रहने की बात दोहराते हुए कहा है कि चालू वित्त वर्ष में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर इसका असर रहेगा। अपने हाल के आर्थिक परिदृश्य में ओईसीडी ने कहा है। 2024 की दूसरी छमाही में महंगाई घटने और मौद्रिक नीति शिथिल होने के कारण परिवारों का विवेकाधीन खर्च बढ़ाने में मदद मिलेगी और यह फिर से गति पकड़ेगा। इसके साथ ही वैश्विक स्थिति में सुधार होने से आर्थिक गतिविधियों को गति देने में मदद मिलेगी और वित्त वर्ष 24-25 में रियल जीडीपी 7 प्रतिशत रहेगी। संगठन ने 2023 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2020 के महामारी के अपवाद के अलावा वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से सबसे सुस्त वार्षिक वृद्धि दर है। ओईसीडी ने कहा है कि कृषि उत्पादन उम्मीद से ज्यादा रहने और सरकार का खर्च बहुत ज्यादा होने के कारण वित्त वर्ष 23 के आखिर में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही, जो सकारात्मक संकेत है। बहरहाल खासकर ऊर्जा और खाद्य की ज्यादा महंगाई दर और मौद्रिक सख्ती के कारण क्रय शक्ति और परिवारों की खपत खासकर शहरी इलाकों में कम है। वित्तीय बाजार की स्थिति कमजोर रहने के असर से पूंजीगत वस्तुओं की ऋण से समर्थित मांग कमजोर है, जो कारोबारी निवेशका बेहतर संकेतक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 294 अंक, निफ्टी 91 अंक गिरा

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आयी है। आज के कारोबार के दौरान संपत्ति , आईटी और बैंकिंग के साथ ही फार्मा, एफएमसीजी और वाहन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। दिन भर के कारोबार के के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 294.32 अंक करीब 0.47 फीसदी नीचे आकर 62,848.64 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 91.85 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी फिसलकर 18,634.55 के स्तर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान ग्रेसिम , कोटक महिन्द्रा बैंक, सन फार्मा, टेक महिंन्द्रा और टाटा कंज्यूमर के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, ओएनजीसी, पावर ग्रिड कारपोरेशन और एलएंडटी निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ । वहीं आज सुबह बाजार हल्की बढ़त पर शुरु हुआ। शुरुआत में सेंसेक्स 48.54 अंकों की बढ़त के साथ 63,191.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी में भी 16.10 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 18,742.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की चाल मिली जुली रही है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ ही 82.50 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे गिरकर 82.59 प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले आज सुबह गिरावट के साथ 82.59 पर खुला। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 82.52 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था और बाजार को आरबीआई की मौद्रिक नीति का इंतजार था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी गिरकर 104 पर पहुंच गया।

कोई भी बैंक जारी कर सकता है रूपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड:आरबीआई

नई दिल्ली । रिज़र्व बैंक ने रुपे कार्ड को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बैंक ने सभी बैंकों को रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी करने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही आरबीआई ने ई-रुपया वाउचर का दायरा बढ़ाने का भी ऐलान किया। हालांकि, इस नियम को आरबीआई कुछ दिनों में जारी करेगा। आरबीआई का यह कदम रुपे कार्ड को वैश्विक बाजार में तेजी से बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त रुपे डेबिट, क्रेडिट और प्रीपेड कार्ड को विदेशों में जारी करने और भारत सहित विश्व स्तर पर उपयोग करने की अनुमति होगी। आरबीआई के इस ऐलान के बाद दुनिया भर में रुपे कार्ड की पहुंच बढ़ जाएगी। ये घोषणाएं आरबीआई गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में की हैं। बता दें कि फोरेक्स- रुपे कार्ड एक तरह का प्रीपेड कार्ड है। यह कार्ड विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो लोग विदेश की यात्रा करते है। बिजनेसमैन, विदेश में पढ़ने वाले छात्र और अलग-अलग देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह कार्ड काफी फायदेमंद होगा। आप अपने घरेलू कार्ड के जरिए किसी भी देश में आसानी से पेमेंट कर पाएंगे! आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पेमेंट विजन डॉक्यूमेंट 2025 ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीयकरण स्तंभ के तहत प्रमुख उद्देश्यों में से एक के रूप में यूपीआई और रुपे कार्ड की विश्व स्तर पर पहुंच बनाने के लिए रूपरेखा तैयार कर दी है। रुपे कार्ड की वैश्विक पहुंच के लिए भूटान, सिंगापुर, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात के साथ सह-ब्रांडिंग के बिना रुपे कार्ड स्वीकार करने की व्यवस्था की गई है। अन्य देशों में भी रुपे कार्ड जारी करने की तैयारी की जा रही है।

चंदा कोचर पर मुकदमा चलाने आईसीआईसीआई बोर्ड ने दी मंजूरी

- सीबीआई ने अदालत को दी जानकारी, 3250 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड का मामला

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा है कि 3,250 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मिल गई है। बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को. यह मामला बैंक द्वारा वीडियोकॉन ग्रुप ऑफ कंपनीज को स्वीकृत कर्ज में कथित तौर पर धोखाधड़ी और अनियमितता से जुड़ा हुआ है। विशेष लोक अभियोजक ए लिमोसिन द्वारा प्रस्तुत जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि आईसीआईसीआई बैंक के बोर्ड ने इस साल 22 अप्रैल को पारित एक प्रस्ताव में कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को पिछले वर्ष दिसंबर में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत को भी गिरफ्तार किया था। बंबई हाई कोर्ट ने बाद में चंदा कोचर और उनके पति को अंतरिम जमानत दे दी थी। सीबीआई ने दीपक कोचर, सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा प्रबंधित कंपनियों नूपावर रिन्यूएबल्स (एनआरएल) के साथ कोचर दंपति और धूत को आरोपी बनाया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आईसीआईसीआई बैंक ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, आरबीआई के दिशानिर्देशों और बैंक की क्रेडिट नीति का उल्लंघन करते हुए धूत द्वारा प्रवर्तित वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को 3,250 करोड़ रुपये की ऋण सुविधाएं मंजूर की थीं। बता दें कि इस लोन को बाद में बैंक ने एक नान परफार्मिंग एसेट घोषित कर दिया था। घोटाले के आरोप में चंदा कोचर को साल 2018 में अपने पद से इस्तीफा भी देना पड़ा था।

इस फ्राड केस के मामले में कोचर दंपती को 23 दिसंबर को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार भी कर लिया गया था। इसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट से बाद में दंपती को जनवरी, 2023 में जमानत मिली थी।

अदाणी समूह ने 2023 में ईएसजी लक्ष्यों पर तेजी से किया काम

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप ने वित्त वर्ष 2023 में पर्यावरण, सामाजिक और कॉरपोरेट गवर्नेंस (ईएसजी)के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रयास जारी रखे हैं। ग्रुप की एयरपोर्ट्स इकाई ने कंपनी के सभी वाहनों को डीजल से इलेक्ट्रिक वाहन में बदल दिया है। ग्रुप ने कहा कि उसने ऑपरेशनल एमिशन में 44 फीसदी की कटौती की है। अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड की सब्सिडियरी अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड ने 30.04 फीसदी रिन्यूएबल पावर मिक्स को हासिल किया है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 27 तक रिन्यूएबल पावर खरीद का 60 फीसदी हिस्सा हासिल करना है। अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटप्राइजेज का फोकस नए और विविध कारोबारों को खड़ा करने पर है। कंपनी ने 2030 तक 10 करोड़ पेड़ उगाने का वादा किया है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने 2025 तक बिजली खपत में 100 फीसदी रिन्यूएबल एनर्जी मिक्स का लक्ष्य रखा है। इसके साथ एनर्जी इंटेंसिटी में 50 फीसदी कटौती और एमिशन इंटेंसिटी में 60 फीसदी कटौती का लक्ष्य रखा है। अदाणी टोटल गैस की रूफटॉप सोलर कैपेसिटी 870 केवी है। इसे 50 जगहों पर इंस्टॉल किया गया है। कैप्टिव सोलर प्लांट को 2024 में शुरू किया जा सकता है। कंपनी ने ईवी चार्जिंग स्टेशंस को शुरू करने के लिए

अदाणी टोटल एनर्जीज ई-मोबिलिटी स्थापित किया है। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने 104 चार्जिंग पॉइंट्स शुरू किए हैं और वो 2024 तक चार हजार से ज्यादा ईवी चार्जिंग पॉइंट्स इंस्टॉल करेगी।

थार और गोरखा को टक्कर देने आ गई मारुति की जिम्नी

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति की ऑफ-रोड एसयूवी की कीमत 12.74 लाख रुपये से शुरु है। भारतीय बाजार में ये कार महिंद्रा थार और फोर्स गोरखा को टक्कर देगी। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद बुधवार को इसकी कीमत का खुलासा हो गया है बता दें, कीमत के घोषणा के पहले ही एसयूवी की 30 हजार से अधिक की बुकिंग हो चुकी है, जो साफ तौर से इसकी लोकप्रियता का संकेत है। मारुति एसयूवी जिम्नी की लंबाई 3,985 मिमी, चौड़ाई 1,645 मिमी और ऊंचाई 1,720 मिमी है। जबकि लंबाई समान है, जिम्नी थार एसयूवी की तुलना में छोटी और कम चौड़ी है। जिम्नी का 210 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस है जो महिंद्रा एसयूवी से लगभग 16 मिमी छोटी है। जिम्नी का व्हीलबेस 2,590 मिमी लंबी है, जो थार से लगभग 150 मिमी लंबी है। जिम्नी 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है, जो 103 बीएचपी की मैक्सिमम पावर और 134 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। इंजन पांच-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या चार-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर के साथ आती है। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी जिम्नी को दो वेरिएंट जीटा और अल्फा में आती है। कंपनी इस कार को नेक्सा डीलरशिप के माध्यम से सेल करेगी। दोनों वेरिएंट्स की बात करें तब इसमें एक चीज सामान हैं, जिम्नी ऑलग्रिप प्रो टेक्नोलॉजी ऑफर करेगी जो ऑफ-रोड के लिए काफी बढ़िया है इसकी ऑफ-रोड क्षमता के लिए 4डब्ल्यूडी सिस्टम है, जो एसयूवी में स्टैंडर्ड है।

टाटा ने लांच किया अल्ट्रॉज का सीएनजी मॉडल

-आपको सामान रखने की मिलेगी पूरी फ्रीडम

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा ने अल्ट्रॉज का सीएनजी मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने ऐसा करके एक बार फिर ऑटोमोबाइल मार्केट में तहलका मचा दिया है।कार में डुअल सीएनजी सिलेंडर दिया गया है जो इसकी गैस कैपेसिटी बढ़ाता है जिससे आपको बार-बार फिलिंग की जरूरत भी नहीं पड़ती है। कार की सबसे बड़ी यूएसपी सीएनजी सिलेंडर फिट होने के बावजूद इसका 210 लीटर का बूट स्पेस है जो आपको सामान रखने की पूरी फ्रीडम देता है। इस कार के लॉन्च होने के साथ ही मारुति सुजुकी को बड़ा झटका लगा है। इसका कारण है कि अभी तक कंपनी की वैगन आर और बेलिनो ही लोगों के सामने एक बेहतर सीएनजी हैचबैक के तौर पर थीं। लेकिन अल्ट्रॉज ने इस गेम को पूरी तरह से बदल दिया है।कार को पूरी तरह से अलग स्टैंड करवाने के लिए कंपनी में इसमें कई प्रीमियम फीचर्स भी जोड़े हैं। कार की पावर भी काफी बेहतर है और सीएनजी पर इसका माइलेज 25 किलोमीटर प्रति किलो से भी ज्यादा का क्लेम किया जा रहा है। अल्ट्रॉज आईसीएनजी में कंपनी ने 1.2 लीटर का रेवट्रॉन बाई फ्यूल इंजन दिया है। ये इंजन सीएनजी पर 73.5 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। वहीं कार में सेफ्टी फीचर्स का भी पूरा ध्यान रखा गया है। कार में सीएनजी की फिलिंग के दौरान ऑटोमैटिकली इग्निशन ऑफ हो जाएगा, इसमें इसके लिए माइक्रो स्विच दिया गया है। ग्लोबल एनसीएपी में भी अल्ट्रॉज को 5 स्टार रेटिंग दी गई है। वहीं कार में 6 एयरबैग के साथ ही ईबीडी, एबीएस और स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचसर भी मिलेंगे।वहीं पेट्रोल पर ये इंजन 88 बीएचपी की पावर और 115 एनएम का पीक टॉर्क प्रोड्यूस करता है।कार में वॉयस अनेबल्ड सनरूफ दी गई है मतलब सनरूफ को खोलने के लिए बस आपके कहने भर की देर है और बिना कोई बटन दबाए ये ओपन हो जाएगी। हैचबैक सेगमेंट में ये फीचर अभी तक सिर्फ टाटा ने ही देश में इंट्रोड्यूस किया है।

जेएसडब्ल्यू बड़े स्तर पर पीएसयू का कर सकती है अधिग्रहण

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा कि भारतीय बाजार में अधिकांश समेकन पहले ही हो चुका है और बची हुई कंपनियां बहुत छोटी स्टील कंपनियां हैं जिनमें जेएसडब्ल्यू स्टील की कोई खास दिलचस्पी नहीं है। सज्जन जिंदल ने यह बात मोंटे कार्लो में एक टीवी चैनल से बातचीत में कही, जहां वे दुनियाभर और क्षेत्रों के 49 अन्य नेताओं के बीच भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सज्जन जिंदल ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील कंपनी बड़े स्तर पर पीएसयू (पेब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग) के अधिग्रहण पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर पीएसयू इस विनिवेश के लिए आता है तो यह एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के लिए एक अच्छा मौका साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत और क्षमता का विस्तार करेगा और ज्यादातर अधिग्रहण के बजाए ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड विस्तार के माध्यम से होगा। उन्होंने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील की छोटी कंपनियों में दिलचस्पी नहीं इसलिए हम इसके आगे के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि भारतीय बाजार में अधिकांश छोटी-छोटी कंपनियां बड़ी कंपनियों में मिल गई हैं। बता दें कि जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटे ने 27 मई को वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में समेकित मुनाफा में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,234 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की, जबकि एक साल

पहले यह 4,198 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। क्रमिक आधार पर लाभ अक्टूबर-दिसंबर अवधि के दौरान अर्जित 4,357 करोड़ रुपए से 25.6 प्रतिशत कम है।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, 6.5 पर रहेगी बरकरार

- न सस्ता हुआ न महंगा, नहीं बढ़ेगी लोन की ईएमआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र मजबूत तथा जुझारू बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है। मौद्रिक नीति समिति उदार नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित करेगी। भू-राजनीतिक स्थिति की वजह से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार घटेगी। मुद्रास्फीति की स्थिति पर लगातार और नजदीकी नजर रखना जरूरी है। मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर है। इसके पूरे साल के दौरान लक्ष्य से ऊपर रहने का अनुमान है।

मुद्रास्फीति को तय दायरे में बनाए रखने के लिए एमपीसी त्वरित और उचित नीतिगत कार्रवाई जारी रखेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक मंगलवार से मुंबई में हुई। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र काफी सुदृढ़ है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है। महंगाई दर कम हुई है। आरबीआई को उम्मीद है कि जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आठ प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.2 प्रतिशत से घटाकर 5.1 प्रतिशत किया।

घरेलू मांग की स्थिति वृद्धि के लिए सहायक बनी हुई है, ग्रामीण मांग बेहतर हो रही है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.2 प्रतिशत से घटाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है।

दास ने कहा कि चालू खाते का घाटा चौथी तिमाही में और नीचे आएगा। यह काफी हद तक प्रबंधन के दायरे में रहेगा। भारतीय रुपया इस साल जनवरी से स्थिर है।

यूपी और में गिरे पेट्रोल और डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 76.87 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को गिरावट दिख रही है। डब्लयूटीआई क्रूड 0.04 डॉलर गिरकर 72.49 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 76.87 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। महाराष्ट्र में गुरुवार को पेट्रोल की कीमत में 35 पैसे की कटौती की गई है। यहां डीजल भी कल के मुकाबले 35 पैसे सस्ता मिल रहा है। पंजाब में भी पेट्रोल 28 पैसे और डीजल 27 पैसे सस्ता हुआ है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु व कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दाम में में आई है। आज देश के अधिकांश राज्यों में राज्य स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.30 रुपए और डीजल 94.09 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: दूसरे दिन भारत की वापसी,

ऑस्ट्रेलिया को 469 रन पर रोका, मोहम्मद सिराज के 4 विकेट

बेंगलुरू। (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन का विशाल स्कोर बनाया हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से शानदार बल्लेबाजी हुई। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड में जबरदस्त साझेदारी कर भारत के सामने एक मजबूत चुनौती रखी है। हालांकि, दूसरा दिन भारत के लिए अच्छा रहा। दूसरे दिन भारतीय टीम सात विकेट विकेट हासिल करने में कामयाब रही। दूसरे दिन का खेल जब शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने अपना शतक जड़ा। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड के आउट होने के बाद भारतीय गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार वापसी की और ऑस्ट्रेलिया के बाकी बल्लेबाजों को सस्ते में आउट किया।

स्टीव स्मिथ ने 121 रन की जबरदस्त पारी खेली तो वहीं ट्रेविस हेड ने 163 रन बनाए हैं। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने भी ताबड़तोड़ 48 रनों की पारी खेली। वहीं, भारतीय गेंदबाजों की बात की जाए तो मोहम्मद शमी ने दो सफलताएं हासिल की है जबकि मोहम्मद सिराज को 4 विकेट मिले हैं। शार्दुल ठाकुर को दो वहीं रविंद्र जडेजा को एक सफलता हाथ लगी है। भारत ने पहले दिन बाउंसर का शुरुआत में अधिक इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन सिराज और शमी ने दूसरे दिन पहले सत्र में शॉर्ट पिच गेंदों का बखूबी इस्तेमाल किया। स्मिथ हालांकि उछाल लेती गेंदों के खिलाफ आसानी से खेले लेकिन हेड असहज दिखे। दिन के छठे ओवर में सिराज की शॉर्ट गेंद को लेड साइड की ओर खेलने की कोशिश में हेड विकेटकीपर श्रीकर भरत को कैच देकर पवेलियन लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 25 चौके और एक छक्का लगाया।

कैमरन ग्रीन भी अधिक देर नहीं टिक सके और शमी की गेंद को ड्राइव करने की कोशिश में दूसरी स्लिप में शुभमन गिल के हाथों लपके गए। स्मिथ भी इसके बाद शारदुल ठाकुर की ऑफ साइड से बाहर की गेंद को विकेटों पर खेलकर पवेलियन लौट गए। यह शारदुल की दिन की पहली गेंद थी। स्मिथ ने 19 चौके मारे। स्थानापन्न खिलाड़ी अक्षर पटेल ने मिड ऑफ से भागते हुए स्टंप पर स्टीक निशाना लगाकर मिशेल स्टार्क को रन आउट करके भारत को दिन की चौथी सफलता दिखाई। तेज धूप के बीच पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गई है लेकिन तेज गेंदबाजों को अब भी पर्याप्त मदद भी मिल रही है।

एशिया कप: चीनी ताइपै को 11 . 0 से हराकर भारत सेमीफाइनल में

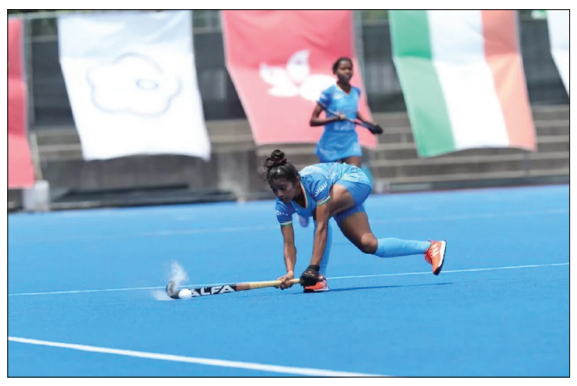

काकामिगाहारा।(एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चीनी ताइपै को आखिरी पूल मैच में 11 . 0 से हराकर एशिया कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ पूल ए में भारत शीर्ष पर बरकरार है। भारत टूर्नामेंट में तीन जीत और एक ड्रॉ खेलकर अपराजेय रहा। भारत के लिये वैष्णवी विट्ठल फाल्के (पहला मिनट), दीपिका (तीसरा), अन्नु (10वां और 52वां), रूतुजा दादोसा पिसल (12वां), नीलम (19वां) मंजू चौरसिया(33वां) , सुनेलिता टोप्पो (43वां और 57वां) , दीपिका सोरेंग (46वां) और मुमताज खान (55वां) ने गोल दागे। भारतीयोंने पहले ही मिनट से अपना दबदबा बना लिया और लगातार गोल करते रहे।

वैष्णवी ने पहला फील्ड गोल किया जिसके बाद दीपिका ने पेनल्टी को तब्दील किया। अन्नु और रूतुजा ने दो दो गोल दागे। भारत के पास पहले क्वार्टर में ही चार गोल की बढत हो गई। दूसरे क्वार्टर में नीलम ने गोल किया। तीसरे क्वार्टर में मंजू और टोप्पो ने गोल दागे जबकि आखिरी क्वार्टर में दीपिका, अन्नु, मुमताज और टोप्पो ने एक एक गोल किया। भारत का सामना शनिवार को सेमीफाइनल में जापान या कजाखस्तान से होगा।

क्षेत्ररक्षण का फैसला करके भारत ने सकारात्मक

मानसिकता नहीं दिखाई: शास्त्री

लंदन। (एजेंसी)। भारत के रक्षात्मक रवैए से निराश पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करके सकारात्मक मानसिकता नहीं दिखाई। भारत ने अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में जगह नहीं दी और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया। पिच पर घास होने और बादल छाए रहने के कारण भारत ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। उसका यह फैसला सही साबित नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड (नाबाद 146) और स्टीव स्मिथ (नाबाद 95) के बीच चौथे विकेट के लिए 251 रन की अटूट साझेदारी की मदद से पहले दिन तीन विकेट पर 327 रन बनाए।

शास्त्री ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आईसीसी से कहा,'' पहले दिन जो हुआ वह टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने की मानसिकता से जुड़ा हुआ है। इसलिए आप चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर

के साथ उतरे।'' उन्होंने कहा,'' अगर मानसिकता सकारात्मक होती तो आप पहले बल्लेबाजी का फैसला करते। पहला सत्र संभल कर खेलते और फिर देखते कि क्या आप दिन में 250 रन तक पहुंच सकते हो। बहुत बड़े स्कोर के बारे में नहीं सोचते और अगर परिस्थितियां बेहतर होती और पहला सत्र अच्छा निकल जाता तो आप इससे भी बड़ा स्कोर बना सकते थे।

एशिया कप 2023 अगर ऐसा हुआ तो टीम इंडिया में होंगे बड़े बदलाव, शुभमन गिल होंगे कप्तान, इन खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बड़ा सवाल यही है कि एशिया कप कहां होगा और अगर हुआ भी तो पाकिस्तान इसमें शामिल होगा या नहीं होगा। इन सबके बीच खबर यह आई है कि पाकिस्तान के बिना ही एशिया कप को अब कराने की तैयारी है। इसके लिए श्रीलंका में तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। लेकिन अगर पाकिस्तान की टीम एशिया कप में शामिल नहीं होती है तो ऐसे में भारतीय टीम में भी बड़ा बदलाव दिखेगा।

यह हो सकता है बदलाव

दरअसल, पाकिस्तान की टीम मजबूत टीम मानी जाती है। लेकिन एशिया कप में शामिल नहीं होती है तो बाकी की टीमें कमजोर है। चाहे वह बांग्लादेश हो या श्रीलंका या फिर अफगानिस्तान। ऐसे में भारतीय सीनियर खिलाड़ियों को एशिया कप में आराम दिया जा सकता है और नए खिलाड़ियों को टीम में मौका दिया जाएगा। इसे हम टीम इंडिया का बी टीम भी कह सकते हैं। फिलहाल इस खबर पर मुहर तो नहीं लगी है लेकिन माना जा रहा है सबकुछ पाकिस्तान पर निर्भर करता है।

ऐसी हो सकती है टीम इंडिया

खबरों के मुताबिक अगर टीम इंडिया के

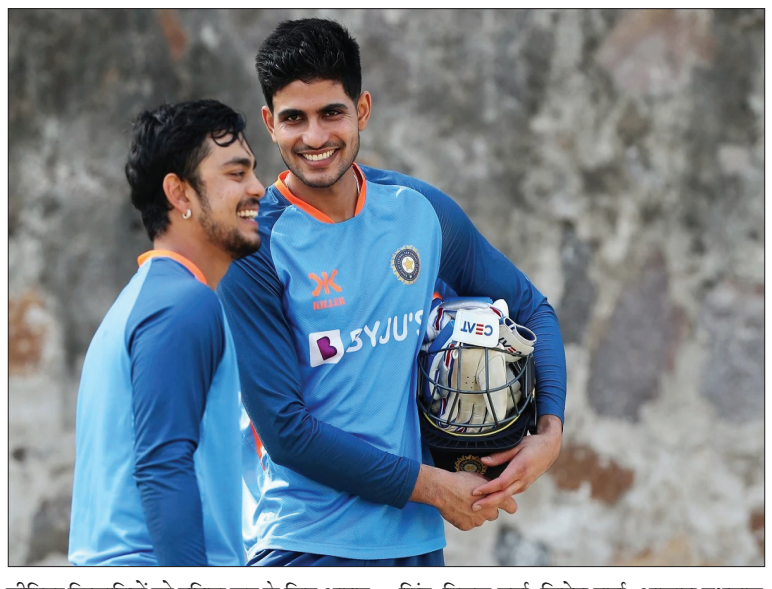

सीनियर खिलाड़ियों को एशिया कप के लिए आराम दिया जाता है तो इसमें नए खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। हाल में शानदार फॉर्म दिखाने वाले शुभमन गिल को बड़ा इनाम मिल सकता है और उन्हें कप्तानी की भूमिका सौंपी जा सकती है। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, आकाश मधवाल और यश ठाकुर जैसे आईपीएल स्टार को भी इस टीम में मौका दिया जा सकता है। 2023 के एकदिवसीय विश्व कप से पहले टीम इंडिया में नए खिलाड़ियों को लेकर यह एक ट्रायल भी हो सकता है। एशिया कप भी इस बार एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाना है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय टीम को नीदरलैंड ने 4-1से हराया

आइंडहोवन । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग में नीदरलैंड ने 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम को शुरुआत में बढ़त मिली थी पर वह उसका लाभ उठा नहीं पायी। इस मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल 11वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। वहीं नीदरलैंड की तरफ से पेपिजन रेयेंगा (17वें), बोरिस बुर्कहार्ट (40वें) और डुको टेलजेनकैंप (41वें और 58वें) ने गोल किए। इस मैच में डच टीम पूरी तरह से हावी रही, वहीं भारतीय टीम भी काफी अवसर मिले पर भारतीय खिलाड़ी उनका लाभ नहीं उठा पाये। मैच के दौरान भारतीय टीम को पांच पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिन्हें वह गोल में नहीं बदल पायी। ब्रिटेन में लगातार दो मैच जीत कर यहां पहुंची भारतीय टीम की ओर से हरमनप्रीत ने पहले क्वार्टर में ही एक गोल कर उसे बढ़त दिला दी। भारतीय टीम को 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे रोकने के दौरान नीदरलैंड के डिफेंडरों ने जानबूझकर फॉउल किया इस कारण भारतीय टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिल जिसपर हरमनप्रीत ने गोल दाग दिया। यह हरमनप्रीत का इस सत्र का 17 वां गोल था। वहीं इसके बाद नीदरलैंड की टीम की ओर सेपेपिजन रेयेंगा ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अपने आक्रामक खेल से वह भारतीय टीम पर हावी होन लगी। नीदरलैंड ने अधिकतर समय गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा। दूसरा क्वार्टर समाप्त होने से कुछ सेकंड पहले ही उसे एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर भारत ने इसे विफल कर दिया। नीदरलैंड ने इसके बाद भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा। उसे तीसरे क्वार्टर के शुरू में ही गोल करने का मौका मिला था पर भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने इस प्रयास को नाकाम कर दिया।

आईपीएल से खुश पर टेस्ट को बचाने ठोस कदम उठायें सभी सदस्य : फारुख इंजीनियर

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर ने कहा है कि आईपीएल की सफलता को देखकर उन्हें भी खुशी हुई है पर उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे अहम है और इसे बचाने के लिए विश्व के सभी सदस्य देशों को ठोस कदम उठाने चाहिये। इंजीनियर के अनुसार आर्थिक रुप से मजबूत भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर तो टेस्ट क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्ध हैं पर छोटे देशों के खिलाड़ी मोटी कमाई के कारण विश्व भर की फ्रेंचाइजी लीग में खेलने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इंजीनियर ने कहा,'' टेस्ट क्रिकेट का खतरे में होना खेल के लिए अच्छा नहीं है। यह सही है कि टी20 के जरिए यह खेल विश्व भर में फैल रहा है पर इसके लिए टेस्ट क्रिकेट को खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप दुनिया को यह दिखाती है कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों के क्रिकेट जितना ही दिलचस्प हो सकता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए यहां आये इंजीनियर ने कहा,'' यह शतरंज के खेल की तरह है जो हालातों पर निर्भर करता है। इसमें ही बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा होती है। खेल में टेस्ट और सीमित ओवरों की क्रिकेट दोनों के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने उन दिनों क्रिकेट खेली है जब क्रिकेटर एक दिन में 50 रुपए की कमाई करते थे। उन्हें खुशी है की आईपीएल से अब क्रिकेटर करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। इंजीनियर ने कहा,'' भारत टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ गया है और सीमित ओवरों की क्रिकेट में हमारे पास आईपीएल है जिससे दुनिया ईर्ष्या करती है। क्रिकेट की बागडोर भारतीय क्रिकेट के हाथ में हैं और इससे मुझे बहुत खुशी होती है।मैं हर समय क्रिकेट देखता हूं। यह मेरे खून में है। क्रिकेट भारतीय खेल है जिसका गलती से ब्रिटेन में जन्म हुआ। क्रिकेट पहले भी काफी लोकप्रिय था लेकिन टी-20 से यह दुनिया के तमाम देशों में फैल रहा है। आईपीएल में मोटी धनराशि मिलती है। हमें पांच दिन के टेस्ट मैच खेलने के लिए प्रतिदिन 50 रुपए मिलते थे।

'30 जून तक होगा डब्ल्यूएफआई का चुनाव', अनुराग ठाकुर बोले- खेल और खिलाड़ियों पर सरकार का विशेष ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से बुधवार को मुलाकात की थी। इस बाद खबर आई थी कि 15 जून तक प्रदर्शन नहीं होंगे। इन सब के बीच केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। अनुराग ठाकुर ने आज फिर कहा कि कल विरोध करने वाले पहलवानों के साथ मुलाकात सकारात्मक रही। हमने उन्हें आश्वासन दिया है कि 15 जून तक जांच पूरी कर ली जाएगी और चार्जशीट फाइल कर दी जाएगी। डब्ल्यूएफआई का चुनाव 30 जून तक होगा।

खेल-खिलाड़ियों पर ध्यान

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। इसके बाद अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत सरकार की ओर से खेल और खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं में जो सुधार किया गया है उसके परिणाम ये हैं कि पिछले बार ओलंपिक, पैरा ओलंपिक,कॉमन वेल्थ गेम्स में हमने रिकॉर्ड मेडल जीते और उसी दिशा में आने वाले एशियन गेम्स में हम खेले। हमारा लक्ष्य है कि हम आज तक के सबसे ज्यादा मेडल एशियन गेम्स में जीते। भारत सरकार की तरफ से अब तक 220 करोड़ रुपए से अधिक इसके तैयारियों के लिए मंजूर किया गया है।

बुधवार को क्या कहा था

अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से मुलाकात के बाद बुधवार को कहा था कि पहलवानों से मेरी 6 घंटे लंबी चर्चा हुई। हमने पहलवानों को आश्वासन दिया है कि 15 जून तक जांच पूरी कर ली जाएगी और चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। 30 जून तक डब्ल्यूएफआई के चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि कुश्ती महासंघ की एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता एक महिला करेगी। पहलवानों के खिलाफ सभी एफआईआर

वापस ली जानी चाहिए।

ठाकुर ने कहा कि पहलवानों ने यह भी अनुरोध किया कि 3 कार्यकाल पूरा कर चुके बृजभूषण सिंह और उनके सहयोगियों को दोबारा नहीं चुना जाना चाहिए। 15 जून से पहले पहलवान कोई धरना नहीं करेंगे। ठाकुर ने कहा कि पहलवानों ने अनुरोध किया कि 3 कार्यकाल पूरा कर चुके बृजभूषण सिंह और उनके सहयोगियों को दोबारा नहीं चुना जाना चाहिए। उन्होंने मांगी की कि पहलवानों के खिलाफ सभी एफआईआर वापस ली जाए।

अमेरिकी मेजर लीग सॉकर में खेलेंगे मेसी

मियामी । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर और कप्तान लियोनेल मेसी ने कहा है कि वह इंटर मियामी की ओर से अमेरिका के मेजर लीग सॉकर में खेलेंगे। इसी के साथ ही मेसी ने पिछले कुछ समय से चल रही अटकलबाजियों पर भी विराम लगा दिया। मेसी का हाल ही में फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से अनुबंध समाप्त हुआ था और अब उनके सऊदी अरब के किसी क्लब से जुड़ने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं पर अब वे सभी समाप्त हो गयी हैं। जा रही थी। मेसी मियामी की ओर से खेलने वाले दुनिया के दूसरे स्टार फुटबॉलर होंगे। उनसे पहले इंग्लैंड के डेविड बैकहम ने भी इस क्लब की तरफ से खेला है। मेसी ने कहा,'' विश्व कप जीतने और बार्सिलोना में वापसी नहीं कर पाने के बाद अब मैं अमेरिकी लीग में खेलना चाहता हूं।

रुतुराज के बाद प्रसिद्ध कृष्णा भी शादी के बंधन में बंधे

मुम्बई । क्रिकेटर रुतुराज गायकवाड़ के बाद अब एक और भारतीय क्रिकेटर ने शादी रचाई है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपनी गर्लफ्रेंड रचना कृष्णा के साथ शादी के बंधन में बंधे हैं। उनकी शादी व हल्दी रस्म की तस्वीरें भी अब सामने आ चुकी हैं। कृष्णा की शादी की जो पहली तस्वीर सामने आई है, उसमें वह पत्नी को मंगलसूत्र पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। कृष्णा पारंपरिक अंदाज़ में दिखाई दिए। इसके अलावा एक तस्वीर में वह अपनी मंगेतर के गले में हाथ डालकर बैठे हुए हैं तो दूसरी तस्वीर में वो अपनी मंगेतर के साथ विपरीत दिशा में बैठे हैं और दोनों ही हल्दी से रंगे हुए हैं। कृष्णा फिट नहीं होने के कारण इस साल आईपीएल से बाहर थे। अब तक उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला है। खेलते हैं, गत सत्र में उन्होंने राजस्थान की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने राजस्थान के लिए 17 मैच में 19 विकेट लिए थे। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में कुल 51 मैच खेले हैं, जिसमें 34.76 की औसत से 49 विकेट लिए हैं। कृष्णा ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इस खिलाड़ी ने अभी तक भारतीय टीम की ओर से 14 एकदिवसीय मैच खेलते हुए 23.92 की औसत से 25 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 5.32 की इकॉनोमी से रन दिये। इसी माह की शुरुआत में रुतुराज भी उत्कर्षा पवार के साथ शादी के बंधन में बंध गये थे।

सुनील नारायण टी20 में 500 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने

लंदन(एजेंसी)। वेस्टइंडिज के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने टी20 क्रिकेट में अपने 500 विकेट पूरे करते ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। नारायण ने टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में सर्रे की ओर से खेलते हुए नारायण ने ग्लेमोर्गन के खिलाफ एक विकेट लेने के साथ ही अपने 500 विकेट पूरे किये। उन्होंने ग्लेमोर्गन के खिलाफ 4 ओवर में 34 रन देकर एक विकेट लिया।नारायण यह विकेट लेते ही टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड उनके ही हमवतन ड्वेन ब्रावो के नाम है। ब्रेवो ने टी20 में 615 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान हैं। राशिद के नाम टी20 क्रिकेट में कुल 555 विकेट हैं।

टी20 ब्लास्ट में सर्रे और ग्लेमोर्गन में खेले गए मुकाबले में सर्रे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए, लौरी इवान्स की शतकीय पारी 118 रनों की सहायता से 20 ओवर में 2 विकेट पर 236 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ग्लेमोर्गन ने 20 ओवर में ही 8 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाकर हासिल कर लिया। ग्लेमोर्गन की ओर से सैम नोर्थईस्ट ने 54 गेंदों में 78 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन सामान्य रहा। सर्रे की ओर से गस एटकिंसन, सैम करन और

क्रीस जोर्डन सहित तीन गेंदबाजों ने 2-2 विकेट लिए। सुनील नारायण और जेमी मेक्लोरी को एक-एक विकेट मिला।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अश्विन को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिले पर हैरान हैं गांगुली, गावस्कर सहित ये दिग्गज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गजों सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली से लेकर रवि शास्त्री ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को लेकर कहा कि भारतीय टीम को अब तक की गलतियों को भूलकर आगे बढ़ना चाहिये। इस मैच में पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हावी रहे। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीन विकेट पर सवा तीन सौ रन के करीब बनाये हैं।

वहीं पूर्व कप्तान गांगुली ने पहले दिन के खेल के बाद कहा कि एक समय ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन पर 3 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने अपनी गलतियों से ट्रेविस हेड को हावी होने दिया। गेंदबाजों ने हेड पर उन पर वह दबाव नहीं बनाया जा सका। इस कारण हेड ने शतकीय पारी खेली। गांगुली ने ये भी कहा कि आर अश्विन को अंतिम ग्यारह में शामिल न कर भारतीय टीम ने बड़ी गलती की। गांगुली ने कहा कि जिस टीम में अश्विन, हरभजन सिंह या अनिल कुंबले जैसे स्पिनर हों उन्हें आप अनदेखा नहीं कर सकते। आपको जोखिम लेना ही होगा। जिस गेंदबाज ने 470 से ज्यादा विकेट लिए हैं उसके लिए टीम में जगह बनानी ही होगी।

गांगुली ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में अश्विन के होने से फायदा होता क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर में 4 लेफ्टहैंडर बैटर हैं। अश्विन इन खब्बू बल्लेबाजों पर अपनी ओर से दबाव बना सकते थे। वहीं शास्त्री से जब अश्विन को अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये जाने पर पूछा गया तो उन्होंने कहा जो गलती हुई वह हो गयी है। अब अश्विन को भूलकर मैच में जुट जायें और आगे बढ़ें।

वहीं गावस्कर ने भी कॉमेंट्री के दौरान अश्विन को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं दिये जाने पर हैरानी जतायी। साथ ही कहा, 'मैं अश्विन को अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं करने पर हैरान हूं। भारतीय टीम उनकी बदौलत ही यहां तक पहुंची है। इस विकेट पर उमेश यादव के स्थान पर अश्विन को टीम में शामिल किया जा सकता था।' वहीं राजपूत ने कहा कि हो सकता है कि यह फैसला पिच को देखकर लिया गया हो क्योंकि इंग्लैंड में पिच और मौसम को देखकर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज शामिल कर लिया जाता है।

फेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली ब्राजील की पहली महिला बनीं बीट्रिज -जब्योर को 3-6, 7-6(5), 6-1 से हराया

पेरिस । ब्राजील की बीट्रिज हद्दाद मैया फ्रेंच ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। बीट्रिज ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली ब्राज़ीलियाई महिला खिलाड़ी हैं। बीट्रिज ने जब्योर को करीब ढ़ाई घंटे 29 मिनट में 3-6, 7-6(5), 6-1 से हराया। इस प्रकार बीट्रिज किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी ब्राजीलियन महिला खिलाड़ी भी हैं। उनसे पहले केवल मारिया बुएनो ही साल 1968 में अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं थीं। सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। सेमीफाइनल में हद्दाद मैया का सामना पोलैंड की इगा स्वियातेक या अमेरिका की कोको गौफ में से किसी एक से होगा। इस टूर्नामेंट से पहले बीट्रिज किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के दूसरे चरण से आगे नहीं बढ़ी थीं। क्वार्टरफाइनल के पहले सेट में भी जब्योर ने जीत दर्ज की पर इसके बाद ब्राजीली खिलाड़ी ने अच्छी वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। पहला सेट हारने के बाद बीट्रिज ने अच्छी सर्विस की। जब मुकाबला 5-5 पर बराबर था तब जब्योर ने दो ब्रेक अंक हासिल किये पर बीट्रिज ने दोनों बार ही उसे जीत हासिल नहीं करने दी। जब्योर ने एक ब्रेक अंक बचाया पर टाइब्रेकर में बीट्रिज के मजबूत फोरहैंड ने उन्हें इस सेट में विजय दिलायी। तीसरे सेट में ब्राजीली खिलाड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई पर जब्योर ने एक गेम हासिल कर किया। इसके बाद जब्योर की गलतियों के साथ ही वह जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयीं।

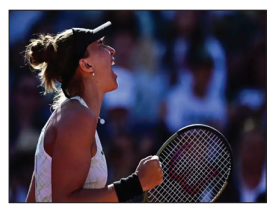

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंतत- डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकज्ञ होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंतत- लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख हैं डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

जांचे

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियत्रंण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकज्ञ होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

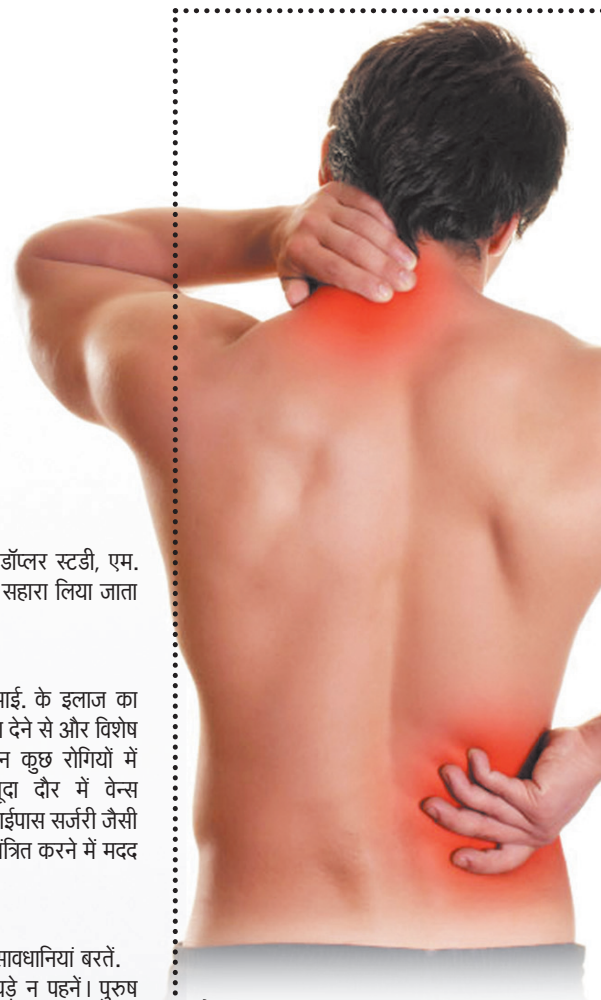

बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फैक्चर का सटीक इलाज

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।

महिला ने अपनी जीवित मां का कर दिया अंतिम संस्कार

सैन फ्रांसिस्को । ये सुनने में आपकों अजीब लग सकता हैं, लेकिन सच है। एक महिला ने अपनी सेहतमंद मां का उनके जीवित रहते ही अंतिम संस्कार करा दिया। इसमें सभी रीति रिवाज किए गए, जैसे सर्विस, रीडिंग और प्रेयर। इसके पीछे की वजह ऐसी है, जो कुछ लोगों को ठीक लग सकती है, जबकि कुछ को नहीं। 56 साल की ऐन-मैरी वोगंसन ने हाल में ही अपनी करीबी दोस्त को खो दिया था। तब ऐन को एहसास हुआ कि उनकी 85 साल की मां ताउम्र उनके साथ नहीं रहेंगी। इसके बाद ऐन ये सुनिश्चित करना चाहती थीं कि उनकी मां जीते जी ये जान सकें कि वहां मां से कितना प्यार करती हैं। ऐन ने इसके बाद अपनी मां के लिए अंतिम संस्कार का आयोजन किया। ऐन के परिवार में उनके 62 साल के पति मार्क फुरलोग और दो बच्चे हैं। उनका कहना है, हमने अपने परिवार के साथ इतना वक्त नहीं बिताया कि उन्हें ठीक से जान सकें और एक दूसरे को सेलिब्रेट कर सकें। ये दिन मां के सेलिब्रेशन के लिए था। उन्होंने कहा, हमें पता है कि जब वहां समय आएगा जब मेरी मां हमारे साथ नहीं होंगी, जब वहां सुन नहीं पाएंगी कि हमने उनकी कितनी सराहना की। ऐन का कहना है कि वहां आगे चलकर जीवित लोगों का अंतिम संस्कार कराने का बिजनेस भी शुरू करना चाहती हैं। उन्हें ये आइडिया जनवरी, 2023 में अपने दोस्त के अंतिम संस्कार के बाद आया था। वह कहती हैं, मैंने हाल में ही क्रिसमस से पहले एक दोस्त को खोया है। और सब बहुत जल्दी जल्दी हो गया।

एआई चैट बार्ड के तर्क कौशल में गूगल ने किया नया सुधार

सैन फ्रांसिस्को । अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-चैटबॉट बार्ड में टेक दिग्गज गूगल ने नए सुधार पेश किए हैं, इसमें बेहतर तर्क कौशल शामिल हैं। तकनीकी दिग्गज ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि बार्ड अब कम्प्यूटेशनल संकेतों को पहचानने और पृष्ठभूमि में कोड चलाने के लिए अंतर्निहित कोड निष्पादन नामक एक नई तकनीक का उपयोग करता है। नतीजतन, यह स्ट्रिंग हेरफेर, कोडिंग प्रश्नों और गणितीय कार्यों का अधिक सही ढंग से जवाब दे सकता है। कंपनी की ओर से कहा गया कि, हमारी नई विधि बार्ड को अपनी तर्क और गणित क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए कोड उत्पन्न करने और निष्पादित करने की अनुमति देती है। यह दृष्टिकोण मानव बुद्धि में एक अच्छी तरह से अध्ययन किए गए द्विभाजन से प्रेरणा लेता है, विशेष रूप से डैनियल काह्नमैन की पुस्तक थिंकिंग, फास्ट एंड स्लो में शामिल है - एथ सेपरेशन सिस्टम 1 और सिस्टम 2 की सोच। सिस्टम 1 सोच तेज, और सहज है। दूसरी ओर, सिस्टम 2 सोच धीमी, जानबूझकर और प्रयासशील है। कंपनी ने बार्ड की प्रतिक्रियाओं की सटीकता में सुधार करने में सहायता के लिए बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) (सिस्टम 1) और पारंपरिक कोड (सिस्टम 2) की क्षमताओं को जोड़ा है। टेक जॉयंट ने कहा, हमने देखा है कि यह विधि हमारे आंतरिक चुनौती डेटासेट में गणना-आधारित शब्द और गणित की समस्याओं के लिए बार्ड की प्रतिक्रियाओं की सटीकता में लगभग 30 प्रतिशत सुधार करती है। साथ ही, कंपनी ने घोषणा की कि बार्ड अब गूगल पत्रक को एक नया निर्यात विकल्प प्रदान करता है। नई सुविधा के साथ, उपयोगकर्ता उन तालिकाओं को भेज सकते हैं, जो बार्ड अपनी प्रतिक्रियाओं में सीधे शीट्स में बनाता है।

नर और मादा के मिलन के बिना जन्म

-पहली बार मगरमच्छ प्रजाति में हुआ वर्जिन बर्थ

वाशिंगटन । अमेरिका के कोस्टारिका में मगरमच्छ प्रजाति में पहले वर्जिन बर्थ का मामला सामने आया है। नर और मादा के संपर्क में आए बिना मगरमच्छ का ऐसा बच्चा विकसित हुआ, जो केवल मां के जीन से ही बना है। 2018 में मगरमच्छ ने अंडे दिए थे। इनमें से एक अंडे को इंक्यूबेटर में विकसित किया। अंडा पूरी तरह परिपक्व नहीं हो पाया। इसमें से मगरमच्छ का अर्ध विकसित बच्चा निकला। वैज्ञानिकों ने पूरी प्रक्रिया का अध्ययन किया। मगरमच्छ में ऐसा पहली बार हुआ है। वर्जिन बर्थ में माता के शरीर में अंड कोशिकाएं तैयार होती हैं। इनमें लगातार विभाजन होता रहता है। यह तब तक जारी रहता है, जब तक बच्चे के लिए जरूरी जींस में से आधे तैयार नहीं हो जाते हैं। इन्हें पोलर बॉडीज कहा जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि डायनासोर की कुछ प्रजातियों में ऐसे ही गुण मिलते हैं।

अस्सी लाख में बिक सकता है हिटलर की बीवी का प्यार

-बर्थडे पर दिया गिफ्ट होगा नीलाम

बर्लिन । जर्मनी के तानाशाह हिटलर की गिनती क्रूर तानशाह में की जाती है। उसके कई फैसलों को लेकर काफी विवाद हुआ था। हाल ही में एक ऑक्शन इंस्टीट्यूट ने हिटलर की पेन्सिल को नीलाम करने की घोषणा की। इस पेन्सिल से हिटलर ने कई ऐसे फैसलों को लिखा है, जिसने इतिहास पर गहरी छाप छोड़ी है। जैसे ही खबर आई कि ये पेन्सिल हिटलर की है, इसे खरीदने वालों की भीड़ लग गई। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस छोटी सी पेन्सिल को अस्सी से बयासी लाख में खरीदा जा सकता है। ये पेन्सिल इस हफ्ते ही नीलाम किया जाएगा। इसे बेलफ़ास्ट की तरफ से नीलाम किया जा रहा है।जिस पेन्सिल की नीलामी की जानी है, वो हिटलर के लिए बेहद स्पेशल थी। इसे नाजी तानाशाह की पत्नी ने उसके 52वें जन्मदिन पर गिफ्ट किया था। 20 अप्रैल 1941 को जब हिटलर अपना जन्मदिन मना रहा था तब उसकी पत्नी ईवा ब्राउन ने उसे ये पेन्सिल गिफ्ट की थी। इसके पीछे हिटलर के नाम के अक्षर भी अंकित है। इस पेन्सिल को 2002 में एक कलेक्टर ने खरीदा था। इसे एएच या फिर ईवा के नाम से जाना जाता है।इस हफ्ते होने वाली इस नीलामी में कई बेशकीमती चीजों की बोली लगाई जाएगी। इंडिपेंडेंट को दिए इंटरव्यू में ब्लूमफील्ड ऑक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि हिटलर की पेन्सिल काफी खास है। इसपर ना सिर्फ उसका नाम लिखा है बल्कि उसकी पत्नी के साथ उसके रिश्ते को भी दिखाता है। हिटलर ने हमेशा से अपना पर्सनल रिश्ता लोगों की नजर से छिपाया था। ऐसे में उसके पार्टनर द्वारा गिफ्टेड ये पेन्सिल स्पेशल हो गया है। बता दें कि दुनिया में कई लोग अपनी छाप छोड़ गए हैं। कुछ को उनकी अच्छाई के लिए याद किया जाता है तो कुछ अपने क्रूरता के लिए जाने जाते हैं। हिटलर भी ऐसे ही लोगों में शुमार थे।

सिर्फ वियाग्रा खाने से प्रेग्नेंट हो गई 45 साल की महिला

-पहले डॉक्टरों ने खड़े कर दिए थे हाथ

सैन फ्रांसिस्को । अमेरिका में 45 साल की एक महिला जिसे डॉक्टरों ने प्रेग्नेंसी के लिए बूढ़ी करार दे दिया था। यहां तक कह दिया था कि वह कभी प्रेग्नेंट हो ही नहीं सकती, वह सिर्फ वियाग्रा खाने से प्रेग्नेंट हो गई। महिला सिर्फ प्रेग्नेंट ही नहीं हुई, एक बच्चे की मां भी बन गई है। उनका मानना है कि वियाग्रा उनकी सफलता की कुंजी थी। अमेरिका के पेन्सिलवेनिया की रहने वाली 48 साल की कैरिन रॉकिंड अपने 52 वर्षीय पति जोश क्लूर से शादी के बाद से बच्चे के लिए ट्राई कर रही थीं। पांच साल तक दोनों ने कोशिश की लेकिन हर बार कोई कोई दिक्कत आ जाती थी। दो बार गर्भपात भी हुआ। तब लगा कि सबकुछ खत्म हो गया। फिर दोनों ने आईवीएफ आजमाने का फैसला किया। सिर्फ एक बार में इस ट्रीटमेंट पर 40,000 डॉलर यानी तकरीबन 33 लाख रुपये का खर्च किया। इसके लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ा। एक फ्रेंड से 10000 डॉलर उधार लेना पड़ा। कैरिन ने 26 साल के एक शख्स के एग्स लिए। लेकिन भ्रूण नहीं बन पाया। और यह कोशिश फेल हो गई।इसी बीच कैरिन को यू टयूब वीडियो मिला, जिसमें एक महिला ने दावा किया कि उसने वियाग्रा का उपयोग किया था। पुरुषों के लिए बनाई गई इस दवा से उसके गर्भाशय के अस्तर को विकसित करने में मदद मिली। एक अन्य महिला की सास ने कहा कि उसने भी अपनी बहू के लिए इसका प्रयोग किया और कुछ ही हफ्तों बाद प्रेग्नेंट हो गई। कैरिन ने कहा-मैं पहले से काफी दुखी थी। क्योंकि 2 बार गर्भपात के बाद डॉक्टरों ने कह दिया था कि बच्चा पैदा करने के लिए 'बहुत बूढ़ी' हो चुकी हूं। लेकिन मैं प्रेग्नेंट होना चाहती थी। मुझे भरोसा था कि मैं ऐसा कर सकती हूं। इसके बाद मैंने भी यह तरीका अपनाने का फैसला किया।कैरिन ने बताया कि वह भी डॉक्टर के पास गईं और वियाग्रा के बारे में बताया। डॉक्टर ने साफ मना कर दिया। यहां तक कि हंसने लगे और कहा कि मैंने कभी इस तरह से काम करते नहीं देखा। लेकिन मैं नहीं मानी। उसका इस?तेमाल किया और कुछ ही दिनों बाद मैं प्रेग्नेंट हो गई। मैं भी यह देखकर हैरान थी। नौ महीने बाद मेरा बच्चा मेरे हाथों में था।

यूक्रेन के खेरसन में कखोवका डेम के पानी के कारण बाढ़ आ गयी। इस डेम को उड़ाने के आरोपा रुस पर लगे हैं।

आतंकवाद पर पहली बार चीन, पाकिस्तान व ईरान ने एक साथ की चर्चा

इस्लामाबाद। चीन, पाकिस्तान और ईरान ने पहली बार आतंकवाद पर चर्चा की है। इसके चलते नई रणनीति भी बन सकती है। जानकारी के अनुसार चीन, पाकिस्तान व ईरान ने बीजिंग में अपनी पहली आतंकवाद-रोधी वार्ता आयोजित की है, जो इस क्षेत्र में एक नए गठबंधन का संकेत देती है। इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। मी?डिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, कार्यालय ने एक बयान जारी कर मंगलवार को बीजिंग में महानिदेशक स्तर पर आतंकवाद और सुरक्षा पर पाकिस्तान-चीन-ईरान त्रिपक्षीय परामर्श की पहली बैठक की पुष्टि की। अब्दुल हमीद, महानिदेशक (आतंकवाद-विरोधी), पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय, चीन के विदेश मंत्रालय के विदेश सुरक्षा मामलों के विभाग के महानिदेशक बाई टियान और सैयद रसूल मोसावी, विदेश मंत्री के सहायक और दक्षिण एशिया के महानिदेशक, विदेश मंत्रालय ईरान ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बयान में कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडलों ने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति, विशेष रूप से क्षेत्र द्वारा सामना किए जा रहे आतंकवाद के खतरे पर विस्तृत चर्चा की। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ताकारों ने आतंकवाद और सुरक्षा पर त्रिपक्षीय परामर्श को संस्थागत बनाने का फैसला किया। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक अलग बयान में यह भी कहा गया है कि तीनों देशों ने क्षेत्रीय आतंकवाद-विरोधी स्थिति पर गहराई से विचार-विमर्श किया और नियमित आधार पर बैठक आयोजित करने का फैसला किया। गौरतलब है कि बीजिंग ने हाल ही में सऊदी अरब और ईरान के बीच एक ऐतिहासिक समझौता किया है। सऊदी अरब और ईरान के बीच मेल-मिलाप ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली को बढ़ावा दिया। कई पर्यवेक्षकों का मानना है कि चीन, पाकिस्तान, ईरान, सऊदी अरब और रूस स्वाभाविक सहयोगी हैं, क्योंकि द्विध्रुवीय दुनिया में उनके हित तेजी से परिवर्तित हो रहे हैं।

बाइडेन-मोदी की दोस्ती के गवाह बनेंगे हजारों लोग, 23 जून को वाशिंगटन में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री

वाशिंगटन / नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की विकास गाथा में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर 23 जून को वाशिंगटन में अमेरिका भर से भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में मोदी की मेजबानी करेंगे। इस यात्रा में 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता डॉ भरत बरई ने कहा कि मोदी 23 जून की शाम को देश भर के डायस्पोरा नेताओं की एक सभा को संबोधित करेंगे।

अतीत में कई हाई-प्रोफाइल बैठकों की मेजबानी करने वाले प्रतिष्ठित रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग एंड इंटरनेशनल ट्रेड सेंटरको प्रधान मंत्री के संबोधन के लिए आरक्षित किया गया है। बरई ने बताया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के नाम पर रखे गए इस स्थल की क्षमता 900 लोगों की है। यह

वाशिंगटन की पहली संघीय इमारत है जिसे सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान होने वाले एकमात्र सामुदायिक कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने कहा कि 25 प्रतिष्ठित लोगों की एक राष्ट्रीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। इस कार्यक्रम की मेजबानी यूएस इंडिया कम्युनिटी फाउंडेशन द्वारा की जाएगी। सह आयोजन समिति का भी गठन किया गया है। बरई ने कहा कि दोनों समितियों में समुदाय को व्यापक प्रतिनिधित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले योजना शिकागो में एक विशाल स्टेडियम में 40,000 भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करने के लिए मोदी की मेजबानी करने की थी।

इमरान के खिलाफ वकील की हत्या का मामला दर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर सुप्रीम कोर्ट के वकील अब्दुल रज्जाक शर की हत्या के मामले में आतंकवाद विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज हुआ हैं। बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में बीते दिनों वकील की हत्या की गई थी। वह प्रांतीय उच्च न्यायालय के रास्ते में थे जब अज्ञात हमलावरों ने एक ड्राइव-बाय शूटिंग में उन्हें निशाना बनाया और मार डाला। मृतक के बेटे सिराज अहमद ने खान पर हत्या के पीछे दिमाग होने का आरोप लगाया। उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 100 से अधिक पूर्व सदस्यों के एक सैन्य समर्थित चीनी व्यापारी और पूर्व पीटीआई नेता जहांगीर तारेन द्वारा स्थापित एक नवगठित इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी में शामिल होने के बाद हत्या की घटना सामने आई। इमरान की पार्टी ने पुष्टि की कि शहर के शहीद जमील कक्कड़ पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी पूर्व प्रधानमंत्री का नाम था। पार्टी द्वारा साझा की गई प्राथमिकी की एक प्रति के अनुसार, शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि खान के खिलाफ मामला दर्ज कराने के बाद से उसके पिता को जान से मारने की धमकी मिल रही थी।

उन्होंने कहा कि मैंने एफआईआर में इमरान का नाम इसकारण लिया क्योंकि मेरे पिता को उनके कहने पर धमकियां दी जा रही थीं। मृतक ने अप्रैल 2022 में नेशनल असेंबली को अवैध रूप से भंग करने के लिए खान और पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी के खिलाफ बलूचिस्तान उच्च न्यायालय में एक संवैधानिक याचिका दायर की थी।

निर्वासन का सामना कर रहे 700 भारतीय छात्रों से पीएम ट्रूडो ने कहा न्याय होगा

ओटावा (एजेंसी)। फर्जी प्रवेश पत्रों को लेकर कनाडा से निर्वासन का सामना कर रहे 700 भारतीय छात्रों को आश्वस्त कर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वे प्रत्येक मामले का मूल्यांकन करुंगा और धोखाधड़ी के शिकार लोगों को अपनी स्थिति बताने का अवसर मिलेगा। यह टिप्पणी उस समय में आई है, जब सैकड़ों भारतीय छात्र, जिसमें ज्यादातर पंजाब से हैं, कनाडा में सड़कों पर उतरकर कह रहे हैं कि उन्हें भारत में उनकी आव्रजन परामर्श एजेंसी द्वारा धोखा दिया गया, एजेंसी ने उन्हें फर्जी दस्तावेज मुहैया कराए थे, इसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी।

ट्रूडो ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय छात्रों के इसतरह के मामलों से अच्छी तरह वाकिफ हैं, जिन्हें फर्जी कॉलेज स्वीकृति पत्रों को लेकर निष्कासन आदेशों का सामना करना पड़ रहा है। हमारा ध्यान छात्रों के साथ धोखाधड़ी करने वाले दोषियों की पहचान करने पर है।

पीड़ित छात्रों की स्थिति पर सिख मूल के एनडीपी नेता जगमीत सिंह की चिंताओं का जवाब देकर प्रधानमंत्री ने कहा, धोखाधड़ी के शिकार लोगों को अपनी स्थिति का प्रदर्शन करने और अपने मामले का समर्थन करने के लिए सबूत पेश करने का अवसर मिलेगा। ट्रूडो ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय छात्रों द्वारा हमारे देश दिए गए अपार योगदान को समझते हैं, और हम पीड़ितों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिंह की पार्टी एनडीपी इन छात्रों के निष्कासन आदेशों को रद्द करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है, साथ ही उनके लिए स्थायी निवास का मार्ग भी सुगम बना रही है।

सिंह ने पीड़ितों का मामला पेश कर पीएम ट्रूडो से पूछा, मेरा सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री प्रभावित होने वाले इन सभी छात्रों के निर्वासन पर रोक लगाएंगे और इन छात्रों के लिए स्थायी निवास का मार्ग प्रशस्त करेंगे?

इसमें ज्यादातर छात्र 2018 और 2019 में पढ़ने के लिए कनाडा आए थे। धोखाधड़ी का पता तब चला जब छात्रों ने कनाडा में स्थायी निवास के लिए आवेदन किया। जालंधर का एजेंट बृजेश मिश्रा फर्जी प्रवेश पत्र उपलब्ध कराने के बदले छात्रों से हजारों डॉलर वसूलने के लिए जिम्मेदार है।

ईरान ने सऊदी अरब में 7 साल बाद फिर खोला दूतावास, अपने यहां मस्जिदें तोड़ने वाला चीन कैसे इस्लामिक देशों का बना 'खलीफा'

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने सात साल बाद सऊदी अरब में अपने दूतावास को फिर खोल दिया। रियाद में 6 जून को यह दूतावास खुला। इसके साथ ही खाड़ी के दो अहम देशों के बीच राजनयिक रिश्ते फिर बहाल हो गए। इस मौके पर दूतावास परिसर में समारोह भी हुआ। इसमें कई राजनयिक शामिल हुए। ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा कि यह दिन ईरान और सऊदी अरब के रिश्तों के लिए अहम है। हमें उम्मीद है कि इससे क्षेत्र स्थिरता और विकास की तरफ आगे बढ़ेगा।

चीन का उदय

विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान-सऊदी अरब संबंधों में आई नरमी का पश्चिम एशियाई भू-राजनीति पर विशेष रूप से चीन द्वारा निभाई गई भूमिका के संदर्भ में बड़ा प्रभाव पड़ेगा। चीन स्पष्ट रूप से अमेरिकी प्रभाव वाले क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने में काफी एक्टिव था। बीजिंग ने शांति बहाल करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय शांति-निर्माण के लिए पश्चिम एशिया में अपनी राजनयिक और राजनीतिक साख स्थापित करने के लिए ये दांव चला। यह महत्वपूर्ण है कि चीन इस सौदे का हस्ताक्षरकर्ता है। कहा जाता है कि दिसंबर 2022 में शी की रियाद यात्रा के दौरान चीन की भूमिका शुरू हुई थी। 2023 में ईरानी प्रधानमंत्री इब्राहिम रायसी ने चीन का दौरा किया और शी से मुलाकात की। इसके बाद शुरू हुई वार्ता 9 मार्च को हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुई।

ईरान और सऊदी अरब दोनों के पास संबंध बहाल करने को लेकर कई मजबूरियां थी। विशेष रूप से, सऊदी अरब और ईरान दोनों के पास समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर कारण थे। सऊदी के बाइडेन प्रशासन के साथ संबंध बेहद ही ठंडे स्तर पर हैं। ईरान ने 2021 में चीन के साथ एक दीर्घकालिक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय मूल के प्रोफेसर डच नोबेल पुरस्कार से होंगी सम्मानित

लंदन। भारतीय मूल की प्रोफेसर जोइता गुप्ता उन दो वैज्ञानिकों में शामिल हैं जिन्हें प्रतिष्ठित स्पिनोजा पुरस्कार के लिए नामित किया गया है, इस पुरस्कार को डच नोबेल पुरस्कार के नाम से भी जाना जाता है। नीदरलैंड अनुसंधान परिषद ने बुधवार को इन पुरस्कारों की घोषणा की। जोइता गुप्ता एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में सतत और पर्यावरण एवं विकास की संकाय प्राध्यापक हैं। उन्हें अपने उत्कृष्ट, अग्रणी और प्रेरक वैज्ञानिक कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गयी है। अपने शोध में वह एक न्यायपूर्ण और स्थायी दुनिया पर ध्यान केंद्रित करती हैं। नीदरलैंड अनुसंधान परिषद की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक जोइता गुप्ता को आधिकारिक रूप से यह पुरस्कार इसके लिए चुने गए एक अन्य वैज्ञानिक टोबी कियर्स के साथ चार अक्टूबर को प्रदान किया जाएगा। टोबी कियर्स एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में म्यूचुअलिस्टिक इंटरैक्शन के प्रोफेसर हैं। जोइता गुप्ता को पुरस्कार के रूप में वैज्ञानिक अनुसंधान पर खर्च करने के लिए 15 लाख यूरो प्रदान किए जाएंगे।

खूंखार डॉग अमेरिकन बुली पर ब्रिटेन ने की बैन लगाने की मांग

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कुत्तों की प्रमुख नस्ल अमेरिकन बुली पर बैन लगाने की मांग की है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में अमेरिकन बुली तेजी से उभर कर सामने आया है। अमेरिकन बुली को अमेरिकन बुलडॉग का मॉडर्न वेरिएंट माना गया है। ब्रिटेन में लोग इसकी तरफ ज्यादा आकर्षित भी हुए हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में इसको लेकर घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं। साल 2021 में ब्रिटेन में इससे होने वाली घटनाओं को रिकॉर्ड किया है, जो बताती हैं यह नस्ल बेहद आक्रामक है। 2021 में कथित तौर पर लोगों पर घातक हमले करने के 9 मामले सामने आए जिसमें 3 बच्चे भी थे। इतना ही नहीं 2021 के बाद ब्रिटेन में कुत्तों से संबंधित सभी मौतों में से आधे के लिए अमेरिकन बुली जिम्मेदार माना गया है। अब ब्रिटेन इस नस्ल के कुत्तों पर बैन लगाने की तैयारी में है। अमेरिकन बुली से पहले यूके में पिट बुल टेरियर, जापानी टोसा, डोगो अर्जेंटीनो और फिला ब्रासीलेरो आदि कुत्तों की नस्ल प्रतिबंधित हैं। आमतौर पर ब्रिटेन में अमेरिकन बुली के आक्रामक होने और हमले की घटनाएं तेजी से सामने आ रही हैं। ब्रिटेन के प्रमुख कुत्ता संघों द्वारा भी आधिकारिक तौर पर अमेरिकन बुली को मान्यता नहीं दी गई है। खबरों में भी अक्सर इन कुत्तों के आक्रामक होने और उसका शिकार बनने वाली घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे यहां पर अमेरिकन बुली की मौजूदगी भी ज्यादा नजर आ रही है।

जानकारी के मुताबिक अमेरिकन बुली अमेरिकन बुलडॉग का एक मॉडर्न वेरिएंट माना जाता है। आमतौर पर इसको 4 अलग-अलग नस्लों में देखा गया है जिनमें मानक, पॉकेट, क्लासिक और एक्स्ट्रा लार्ज। लेकिन डील डौल और आकार में यह अलग-अलग हैं। इनकी ऊंचाई 50 सेमी (20 इंच) से अधिक होती है, जो एक्सएल श्रेणी में आती है। यूनाइटेड किंगडम में आक्रामक कुत्तों के कारण घटनाएं बढ़ने के बाद अब इस पर प्रतिबंध लगाने पर भी विचार विमर्श किया जा रहा है। इससे पहले भी ब्रिटेन में कुत्तों की कई नस्लों को पालने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि साल दर साल इनके हमलों की संख्या में इजाफा रिकॉर्ड किया जा रहा है। अमेरिकन बुली पर प्रतिबंध लगाने से पहले यूके में पिट बुल टेरियर, जापानी टोसा, डोगो अर्जेंटीनो और फिला ब्रासीलेरो आदि कुत्तों की नस्लों पर पहले से प्रतिबंध लगाया हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आखिर केरल पहुंचा मानसून एक्सप्रेस, 16 जून को महाराष्ट्र पहुंचने की उम्मीद

मुंबई, । दक्षिण पश्चिम मॉनसून गुरुवार 8 जून को केरल में प्रवेश कर चुका है। दक्षिण अरब सागर और मध्य अरब सागर और लक्षद्वीप क्षेत्र में मॉनसून की आवाजाही जारी है। भारतीय मौसम विभाग ने भी इस साल के मानसून को लेकर स्पष्ट किया है कि गुरुवार को केरल में मॉनसून पहुंच गया है। हर साल मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है लेकिन इस साल केरल में मानसून 7 दिन देरी से पहुंचा है. केरल में मानसून के आने के बाद महाराष्ट्र पहुंचने में आमतौर पर 7 दिन लगते हैं। उस पूर्वानुमान के मुताबिक, मॉनसून 16 जून को महाराष्ट्र पहुंचेगा क्योंकि मॉनसून गुरुवार को केरल पहुंचा है। इस बीच जब पिछले 12 सालों का अध्ययन किया गया तो सिर्फ एक साल मानसून सात जून को महाराष्ट्र में दाखिल हुआ था. जब हम पिछले 12 वर्षों में मानसून एक्सप्रेस की यात्रा को देखते हैं, तो यह देखा जाता है कि महाराष्ट्र में मानसून के मृग नक्षत्र में प्रवेश करने का समीकरण बदल गया है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक केरल के तमाम हिस्सों में गुरुवार सुबह से बारिश शुरू हो गई है. भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 16 जून को महाराष्ट्र के लोअर कोंकण में आ सकता है। मौसम विज्ञानी के. एस. होसलीकर ने मानसून के आगमन की जानकारी दी है. उन्होंने कहा कि इस साल का मानसून आठ जून को आया है। मौसम विभाग ने पहले जानकारी दी थी कि अगले 48 घंटों में मानसून केरल में प्रवेश करेगा। हालांकि बदले मौसम के कारण गुरुवार को मानसून ने अपनी दमदार दस्तक दे दी है।

घरेलू हिंसा की घटनाओं में वृद्धि, मुंबई पहले और नागपुर दूसरे नंबर पर

मुंबई। महाराष्ट्र में जहां महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के अपराध बढ़े हैं, वहीं घरेलू हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। घरेलू हिंसा के मामलों में मुंबई पहले और नागपुर-पुणे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है। यह जानकारी पुलिस विभाग की वेबसाइट से मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में राज्य में महिलाओं के साथ अन्याय व अत्याचार की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ज्यादातर मामले घरेलू हिंसा के होते हैं। घर में छोटी-छोटी बातों पर तकरार बढ़ रही है। टीवी-मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल से घर और दुनिया को नजरअंदाज करने की तस्वीर सामने है। कई परिवारों में बच्चों की शादी के बाद घर में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मामूली विवाद को लेकर बहू या मायके वालों द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई जाती है। इस समय राज्य में घरेलू हिंसा की घटनाएं मुंबई में बढ़ गई हैं। मुंबई में घरेलू हिंसा के 218 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि नागपुर शहर में घरेलू हिंसा के 118 मामले दर्ज किए गए हैं। 45 अपराध पिछले साल से ज्यादा हैं। पुणे में सबसे कम 54 केस हैं। हालांकि, पुणे पुलिस ने घरेलू हिंसा करने के आरोप में सबसे ज्यादा 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बहरहाल राज्य में घरेलू हिंसा के अपराधों की बढ़ती संख्या खतरनाक और परिवार व्यवस्था के लिए हानिकारक है।

नाबालिग बच्चा का धर्मांतरण करने वाले अपराधियों को फांसी की सजा दी जाए : हिंदू संगठन

गाजियाबाद । यूपी के गाजियाबाद में धर्मांतरण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पहले जांच एजेंसी मामले की जांच कर रही थी। वहीं अब हिंदू संगठन भी इसके पूरी तरह से विरोध में आ गए हैं। हिंदू संगठनों ने गुरुवार को जिला अधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर धरना प्रदर्शन कर उन्होंने मांग की है कि धर्मांतरण कराने वाले इसतरह के मौलवी और इसतरह के अपराधियों के खिलाफ फांसी की सजा से कम सजा नहीं होनी चाहिए। जानकारी के मुताबिक गेमिंग एप्लीकेशन के द्वारा छात्रों के धर्मांतरण के मामले में जहां रोज नए खुलासे हो रहे हैं, वहीं गुरुवार को हिंदू संगठनों ने जिलाधिकारी दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। जहां इकट्ठा होकर उन्होंने कहा कि मस्जिद के इमाम को फांसी की सजा होनी चाहिए साथ ही धार्मिक स्थल मस्जिद पर भी बुलडोजर चलना चाहिए। यह समाज के लिए एक जहर का काम कर रहे हैं। अब से पहले सिर्फ नौजवानों युवतियों को ही इस्लाम का शिकार बनाया जाता। लेकिन अब छोटे मासूम बच्चों को भी इस तरीके से अपना शिकार बनाया जा रहा है। महामंडलेश्वर माकंडेय पशुपति, पशुपतिनाथ अखाड़ा ने कहा कि पहले गरीब और निर्मल को निशाना बनाया जाता था और उनका धर्मांतरण कराया जाता था फिर युवक और युवतियों पर धर्मांतरण का जाल फेंका जाने लगा और उसके बाद अब नाबालिग और बच्चों पर भी निशाना साधा जा रहा है जो बिल्कुल भी माफ करने वाला अपराध नहीं है। अब मुसलमानों ने हद पार कर दी है उन्होंने देखा कि बच्चे ज्यादातर मोबाइल पर रहते हैं, तब मोबाइल के जरिए उन पर धर्मांतरण का जाल फेंका जा रहा है।

अनोखा ऑनलाइन फ्रॉड का मामला, बिना ओटीपी के बैंक खाते से 300 डॉलर किया गायब

अंबरनाथ। इन दिनों ऑनलाइन फ्रॉड के साथ-साथ साइबर क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे मामलों में आरोपियों को पकड़ना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इस बीच एक ऐसा ऑनलाइन फ्रॉड का मामला सामने आया है जिसे पढ़कर आपके भी होश उड़ जायेंगे. दरअसल बिना कोई लिंक भेजे, बिना फोन पर बात किए, बिना कोई मिस्ड कॉल और ना ही कोई डिटेल्स साझा किया गया यहां तक कि बिना ओटीपी के ही सायबर ठगों ने एक व्यापारी के बैंक खाते से 300 डॉलर गायब कर दिया. जब यह मेसेज भुक्तभोगी ने अपने मोबाइल पर पढ़ा तो उनके पैरों के नीचे से मानो जमीन ही खिसक गई. उन्हें अबतक यह विश्वास ही नहीं हो रहा कि बिना कुछ गलती किये क्या सायबर ठग बैंक खाते से रूपये उड़ा सकते हैं. यह मामला सामने आया है मुंबई से सटे अंबरनाथ में. सुमित कालरा नाम के शख्स का अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर के पास सुमित ट्रैवल नाम की दुकान है. पांच जून की शाम करीब चार बजे उन्हें उनके बैंक का मैसेज आया जिसमें उनके बैंक खाते से बिना ओटीपी के करीब 300 डालर (तक़रीबन 25 हजार रुपया) का ट्रांजेक्शन होने की बात कही गई. सुमित ने अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस थाना में और सायबर सेल में शिकायत दर्ज करवा दी है. बहरहाल इस घटना से हर वो व्यक्ति की चिंता बढ़ना लाजिमी है जिनका बैंक में खाता है.

साहिबाबाद यदि बुर्का नहीं पहना तो पढ़ाई बंद हो जाएगी, छात्रा ने रो कर बताई मजबूरी

साहिबाबाद। लाजपत राय महाविद्यालय में एक छात्रा ने बुर्का पहनकर परीक्षा देना इसलिए जरुरी बताया क्योंकि उसके परिजन इसके बिना पढ़ाई बंद करा देंगे। हालांकि प्राचार्य ने उसे अभिभावक के तौर पर समझाइश भी दी, क्यों ?कि वह छात्रा आईपीएस बनना चाहती है, और उसमें ड्रेस कोड है। जानकारी के अनुसार कॉलेज में बुर्का पहनकर परीक्षा दे रही छात्रा को प्राचार्य ने ड्रेस कोड का पालन करने की नसीहत दी तो उसने अपना दर्द बयां कर कहा कि वह आइपीएस बनना चाहती है। बुर्का पहनने से रोका तो स्वजन तालीम बंद करा देंगे। वह प्राचार्य के सामने रोने लगी। बुर्का पहनकर तालीम देने की गुजारिश की। प्राचार्य ने खुद को अभिभावक की भूमिका में रखकर छात्रा को

30 मिनट तक समझाने का प्रयास किया। बुधवार को एमएसी सेकेंड समेस्टर की परीक्षा थी। सभी परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। प्राचार्य यूपी सिंह हर कैमरे से परीक्षार्थियों की जांच कर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक कक्ष में परीक्षार्थी बुर्का पहनकर परीक्षा दे रही है। महाविद्यालय में ड्रेस कोड लागू है। ऐसे में प्राचार्य ने जानकारी की तो पता चला कि छात्रा एमएससी गणित सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा दे रही है। प्राचार्य परीक्षा कक्ष में गए। उन्होंने सुरक्षा गार्ड से कहा कि परीक्षा के बाद वह छात्रा से बात करेंगे। परीक्षा खत्म होने पर सुरक्षा गार्ड छात्रा को प्राचार्य के कार्यालय लेकर पहुंचा। प्राचार्य ने कहा कि वह अभिभावक के तौर पर बात कर रहे हैं। प्राचार्य ने अपनी प्रबंधक की बेटी की सफलता की कहानी सुनाकर ड्रेस कोड का पालन करने के लिए प्रेरित किया। वहीं छात्रा ने कहा कि वह बुर्का शौक में नहीं पहनती हैं। उनके स्वजन ने कहा कि बुर्का भी जरूरी है और तालीम भी जरूरी है। यदि बुर्का नहीं पहनने दिया गया तो उसे तालीम से वंचित होना पड़ेगा। वह तालीम से वंचित नहीं होना चाहती है। वह सफलता का मुकाम पाना चाहती है। छात्रा ने कहा कि उसे आइपीएस बनना है। जवाब में प्राचार्य ने कहा कि आइपीएस बनने के बाद बुर्का नहीं पहन सकती हैं। पुलिस अधिकारी का भी ड्रेस कोड होता है। इस बारे में विचार करना चाहिए।

भाजपा नेता की हत्या, जेल से वसूली, कंपाउंडर से माफिया बना था संजीव जीवा

-पत्नी लड़ चुकी विधानसभा चुनाव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में एक कोर्ट में माफिया संजीव जीवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। संजीव माफिया मुख्तार अंसारी का करीबी था। बीजेपी के बड़े नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में संजीव को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। संजीव पर एक दो नहीं बल्कि पूरे दो दर्जन केस थे। वह शुरुआत में दवा बेचता था, लेकिन देखते वह राज्य का बड़ा माफिया बन गया। वह जेल से ही फोन कर करोड़ों की वसूली भी करता था।

संजीव का पूरा नाम संजीव माहेश्वरी था। वह मुजफ्फरनगर के आदमपुर गांव का रहने वाला था। जीवा माफिया मुख्तार अंसारी का शार्प शूटर बताया जाता है। जीवा ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की थी। संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा 90 के दशक तक मुजफ्फरनगर में एक क्लीनिक पर कंपाउंडर का काम करता था।

इसके बाद संजीव ने क्लीनिक के मालिक को ही अगवा किया था। संजीव जीवा का पहली बार बड़ा नाम आया जब संजीव ने नब्बे के दशक में ही कोलकाता के व्यापारी के बेटे को अगवा करके दो करोड़ फिरौती मांगी। फिर 1997 में संजीव जीवा बीजेपी के बड़े नेता और मायावती को गेस्ट हाउस कांड में बचाने वाले ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या में शामिल रहा। बताया जाता है कि संजीव माहेश्वरी सुपर स्टार संजय दत्त का बड़ा फैन था। 90 के दशक में जब संजय दत्त की फिल्म जीवा आई, तब इसके बाद संजीव माहेश्वरी ने अपने नाम के आगे जीवा जोड़ लिया।

साल 2000 में वह माफिया मुन्ना बजरंगी के द्वारा संजीव जीवा मुख्तार अंसारी का भी करीबी बन गया। 2005 में बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय की हत्या में मुख्तार के साथ जीवा के भी शामिल होने का आरोप लगा। हालांकि, इस केस में वह बरी हो गया। 2003 में ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में संजीव जीवा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

जेल में रहने के बावजूद संजीव जीवा बड़े-बड़े सफेद पोश लोगों और उद्योगपतियों के संपर्क मे रहता था, और जमीनों पर अवैध कब्जे कराता था। इसके लिए वह वसूली करता था। वह लोगों में अपना डर दिखाकर रंगदारी भी वसूल करता था। जीवा मुख्तार अंसारी के संपर्क में रहकर अपना गैंग चला रहा था। उसकी गैंग ने पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई वारदातों को अंजाम दिया था।

संजीव अधिकारियों से सांठगांठ कर जेल में मोबाइल का इस्तेमाल करता था। जेल से ही वह अपने गैंग के सदस्यों को निर्देश देता। जीवा की गैंग ने हरिद्वार, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर में अपहरण, डकैती, हत्या और लूट जैसी जघन्य वारदातों को अंजाम दिया।

जीवा ने राजनीति में आने की भी योजना बनाई थी, इसके तहत उसने वर्ष 2017 में पत्नी पायल को रालोद के टिकट पर सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाया था। पायल की जमानत जब्ज हो गई थी। पायल को मात्र पांच हजार वोट मिली थीं।

जहां जीतने की संभावना हो, उन्हीं सीटों पर लड़े राजनैतिक दल : पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि राजनीतिक दलों को पहले आकलन करना चाहिए और उसके अनुसार उन सीटों से चुनाव लड़ना चाहिए जहां उनकी जीतने की क्षमता है, लेकिन उनके मैदान में होने से सत्तारूढ़ दलों को मदद नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने किसी पार्टी विशेष का नाम नहीं लिया। यह पूछने पर कि कोई भी राजनीतिक दल राज्य के हर हिस्से में चुनाव लड़ने की स्थिति में क्यों नहीं है और क्या यह पार्टियों के कमजोर होने का संकेत है, राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टियां किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकती हैं, लेकिन उन्हें सोचना चाहिए कि क्यों वे ऐसा कर रहे हैं। पवार ने कहा कि पार्टियों को पहले ये देखना चाहिए कि सीटों पर चुनाव लड़कर वे सत्तारूढ़ दलों की मदद नहीं कर रहे हैं। एनसीपी प्रमुख ने सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने के लिए सत्तारूढ़ सरकार को जिम्मेदार ठहराया और सभी हिंसा और सड़कों पर उतरने की गतिविधियों को विचारधारा द्वारा समर्थित बताया। छत्रपति संभाजीनगर में पवार ने अहमदनगर और कोल्हापुर जिलों में सांप्रदायिक झड़पों की घटनाओं, खासकर ताजा हिंसा भड़कने पर चिंता व्यक्त जाहिर की हैं।

अफगानिस्तान से लौटे सिख शरणार्थियों से मिले विदेश मंत्री, कहा- अगर सीएए नहीं होता तो इन लोगों का क्या होता

चंडीगढ़। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरु अर्जुन देव गुरुद्वारा में दर्शन किया। इसके बाद उन्होंने अफगान सिख शरणार्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि मैं अफगानिस्तान से भारत आए सिखों से मिलना चाहता था और उनके मुद्दों को समझना चाहता था। उन्हें वीजा और नागरिकता को लेकर कुछ दिक्कतें हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम उन मुद्दों का समाधान करेंगे। इस दौरान विदेश मंत्री ने नागरिकता संशोधन अधिनियम का भी जिक्र किया जिसको लेकर देश में लंबे समय तक विरोध चला था।

वीजा की दिक्कत

विदेश मंत्री ने कहा कि मैं अफगानिस्तान से भारत आए सिखों से मिलना चाहता था और उनके मुद्दों को समझना चाहता था। उन्हें वीजा और नागरिकता को लेकर कुछ दिक्कतें हैं। हम उन मुद्दों का समाधान करेंगे जिन पर उन्होंने हमारे साथ चर्चा की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अभी भी अपनी नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे हैं। नागरिकता और वीजा को लेकर हम हर संभव मदद मुहैया कराएंगे। उनकी मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। जयशंकर ने यह भी कहा कि उन्होंने बताया कि कुछ लोग वापस जाना चाहते हैं क्योंकि वहां उनकी संपत्ति और गुरुद्वारे हैं उन्हें चिंता है। इस आने-जाने की व्यवस्था कैसे हो क्योंकि इसके लिए वीज़ा की दिक्क़त है। इन लोगों को डबल-ट्रिपल एंट्री वीज़ा मिलना चाहिए।

सीएए का जिक्र

एस जयशंकर ने कहा कि कुछ लोग अपनी नागरिकता का इंतज़ार कर रहे हैं। कुछ लोगों ने अपने बच्चों के लिए भारत की नागरिकता ली है जिसमें उनको बाद में कुछ दिक्क़तें आईं। उनको डर है कि हमारा सिस्टम आगे चलकर उनको मदद करने की जगह उन पर बोझ न डाले। यह छोटी चीज़ें आम लोगों के लिए बहुत बड़ी होती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उस क़ानून (नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए)) के कारण इन लोगों को विश्वास था कि हम आएंगे। अगर वह क़ानून नहीं होता तो इन लोगों का क्या होता? कभी-कभी हम हर चीज़ को राजनीति (का मुद्दा) बना देते हैं। यह राजनीति का मामला नहीं बल्कि इंसानियत का मामला है। उस हालात में इन लोगों को कौन छोड़ सकता था?

केजरीवाल के भाषण के दौरान लगने लगे मोदी-मोदी के नारे, हाथ जोड़कर रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भाषण के दौरान भाजपा के लोगों ने मोदी- मोदी कहते हुए नारेबाजी कर दी। इतना ही नहीं सीएम केजरीवाल के बार-बार निवेदन करने पर भी लोग हंगामा करते रहे। केजरीवाल आज आईपी यूनिवर्सिटी के ईस्ट दिल्ली कैंपस का उद्घाटन करने पहुंचे थे। मंच पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और भाजपा सांसद गौतम गंभीर बैठे थे। सीएम केजरीवाल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों का बखान कर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने हो हो के नारे लगाए। केजरीवाल ने कहा, कोई बात नहीं, बाद में बोल लेना, हाथ जोड़ के। यह कहते हुए उन्होंने हाथ जोड़ लिए। हालांकि नारे लगाने वाले फिर भी नहीं माने। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल माइक के सामने खामोश खड़े रहे। उनके समर्थक अरविंद केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। 3-4 मिनट तक केजरीवाल हक्का-बक्का नजारा देखते रहे। हालांकि इस दौरान मंच से हंगामा करने वालों को शांत कराने की कोशिश की गई लेकिन मोदी-मोदी के नारे फिर भी गूंजने लगे।

केजरीवाल ने आगे कहा, काश, इन नारों से शिक्षा व्यवस्था अच्छी हो सकती तो बहुत 70 साल में... मेरा आप लोगों से हाथ जोड़कर निवेदन है। इस पार्टी वालों से और उस पार्टी वालों से भी... मेरी 5 मिनट बात सुन लो। नहीं पसंद आए तो बाद में नारे लगा देना। हालांकि सीएम को फिर रुकना पड़ा। सभागार में कई लोग चीखने लगे। अपनी-अपनी बातें करने लगे। केजरीवाल ने एक बार फिर आग्रह करते हुए कहा कि अगर आप इजाजत दें तो मैं 5 मिनट बोल लेता हूं। अगर मेरी बात अच्छी न लगे तो मेरी बात छोड़ जाना। हालांकि हंगामा इसके बाद भी नहीं थमा। केजरीवाल मंच से बोलते रहे, सब कोई बैठ जाओ। बैठ जाओ। 3-4 मिनट के हंगामे के बाद केजरीवाल ने फिर से बोलना शुरू किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 12वीं तक की शिक्षा को बेहतर किया गया है और आगे की शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा, टीमों में होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा इन दिनों 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि जमीनी कसावट को बेहतर करने के लिए प्रदेश स्तर की टीमों में बदलाव की तैयारी की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा ने अब संगठन के पेच कसने की भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल सकती है और स्थानीय टीमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इसके अलावा कुछ नेताओं को नई भूमिका में भी लाया जा सकता है। पार्टी में अंदरूनी तौर पर चर्चा है कि ऐसे कई पदाधिकारी हैं, जो अहम जिम्मेदारी पर हैं, लेकिन चुनाव लड़ने और लड़ाने का उन्हें कम ही अनुभव है। ऐसे में उन लोगों के स्थान पर ऐसे लोगों को तरजीह दी जाएगी, जो चुनावी राजनीति का लंबा अनुभव रखते हैं। खासतौर पर महाराष्ट्र और गुजरात के बड़े नेताओं को अहम जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी यूपी और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में 2019 के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश में है। इन दो ही राज्यों से लोकसभा की 128 सीटें आती हैं। यूपी में 80 सीटें हैं और दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र हैं, जो 48 सांसद दिल्ली भेजता है।

सूत्रों का कहना है कि यूपी में भाजपा अपनी स्थिति को मजबूत मान कर चल रही है। इसके बाद भी उसने 9 सीटों पर फोकस करने का फैसला लिया है, जहां पहले वह जीत नहीं सकी थी। हालांकि पार्टी को ज्यादा चिंता महाराष्ट्र को लेकर है। इसकी वजह यह है कि एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना एक साथ हैं। इन तीनों के मिल जाने से एक जनाधार तो बनता ही है। सामाजिक समीकरण भी ऐसा तैयार होता है, जो भाजपा की टेंशन बढ़ाने वाला है। तीनों दलों की एकता विदर्भ, मराठवाड़ा से लेकर मुंबई तक में भाजपा की चिंताओं को बढ़ाती है। हालांकि उसे एकनाथ शिंदे गुट से उम्मीद है, पर इसमें भी पेच बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि सोमवार, मंगलवार को अमित शाह, जेपी नड्डा और भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष के बीच मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में संगठन में फेरबदल को लेकर भी बात हुई है। खासतौर पर 2024 के लोकसभा चुनाव में किसे क्या जिम्मा दिया जाए, इसे लेकर भी बात हुई है। बता दें कि भाजपा पहले ही विनोद तावड़े, सुनील बंसल और तरुण चुग को उन सीटों पर अभियान चलाने की जिम्मेदारी दे चुकी है, जहां वह कमजोर है। ये तीनों ही नेता अमित शाह के भरोसेमंद हैं। सूत्रों का कहना है कि देश भर में भाजपा ने ऐसी 160 सीटें चुनी हैं, जहां वह ज्यादा फोकस करेगी और वह खुद को यहां कमजोर मान रही है।

स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के मुस्लिम प्रेम पर ली चुटकी, राहुल पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि मुस्लिम समुदाय का संरक्षक होने का दावा करने वाले गांधी परिवार को आंकड़ों का जवाब देना चाहिए। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार के मुस्लिम प्रेम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जो गांधी खानदान अपने आपको मुस्लिम समुदाय का संरक्षक बताता है उनसे यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि उनकी सरकार में भारत सरकार ने महज 12 हजार करोड़ रुपए का खर्च दिखाया था, जबकि पिछले नौ सालों के दौरान मोदी सरकार ने 31,450 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि इनके स्कॉलरशिप के लिए भी कांग्रेस सरकार ने केवल 860 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, जबकि मोदी सरकार ने 2,691 करोड़ रुपये दिए है। केंद्रीय मंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह आकंड़े अपने आप में कांग्रेस की सच्चाई बताते हैं।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान वाले बयान को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या सिखों का नरसंहार करना, सेंगोल का अपमान करना, अपनी ही संसद का बहिष्कार करना, राजस्थान में महिलाओं का अपहरण, भारत को तोड़ने वाले लोगों के साथ खड़े होना, भारत के बाहर जाकर अपने ही लोकतंत्र के खिलाफ खड़े होना मोहब्बत है? उन्होंने कहा कि यह कैसी मोहब्बत है जो देश से नहीं बल्कि अपनी पॉलिटिकल सियासत से है। स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व हमारे देश के लोकतंत्र पर चोट करने के लिए बाहरी ताकतों का इस्तेमाल कर रहा है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आता जा रहा है वैसे-वैसे कांग्रेस के नेताओं की इस प्रकार की गतिविधियों का बढ़ना आपने आप में इस बात का संकेत है कि कांग्रेस सत्ता की भूख में अपने ही देश की लोकतांत्रिक प्रणाली पर चोट करने को आमादा है, आखिर गांधी खानदान इतना असहाय क्यों हैं? विपक्षी नेताओं की बिहार में होने वाली बैठक पर कटाक्ष करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि वे लोग जो एक दूसरे में सहारा ढूंढ रहे हैं, जो खुद अपने पैरों पर खड़े होने में विफल है, वे लोग जहां एकत्रित होने वाले हैं वहीं पर 1750 करोड़ रुपये का एक पूरा का पूरा ढांचा (पुल) पानी में बह गया, उन लोगों के अरमान भी उसी प्रकार से 2024 वाले चुनाव में बह जाएंगे।

बजरंग बली से मदद नहीं मिली तो अब महाराष्ट्र में औरंगजेब ले आए: राउत

- चुनाव जीतने के लिए आपको अफजल खान, बहादुर शाह जफ़र चाहिए, टीपू सुलतान चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कोल्हापुर जिले में हुई हिंसा के मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार को जमकर घेरा है। संजय राउत ने कहा कि कोल्हापुर हिंसा में स्थानीय लोगों का हाथ नहीं है। इसके लिए बाहर से लोग लाये गए थे। राउत यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार इंटेलिजेंस (सूचनाओं) की कमी है तो हमसे संपर्क करें। हम उन्हें जानकारी मुहैया करायेंगे। आखिर आपकी सरकार आने के बाद ऐसा क्यों हो रहा है? किसी एक व्यक्ति की फोटो लहराने के बाद आपका हिंदुत्व खतरे में आ जाता है। औरंगजेब को दफनाए हुए महाराष्ट्र में चार सौ साल बीत गए हैं। चार सौ साल बीतने के बाद भी चुनाव जीतने के लिए आपको औरंगजेब लगता है। इसकी वजह यह है कि कर्नाटक में बजरंग बली ने आपकी कोई मदद नहीं की। इसलिए आपको यहां औरंगजेब की जरूरत है। चुनाव जीतने के लिए आपको अफजल खान, बहादुर शाह जफ़र चाहिए, टीपू सुलतान चाहिये। आखिर किस तरह की राजनीति आप लोग महाराष्ट्र में करने जा रहे हैं। आपके आसपास के लोग ही दंगे करने वाले हैं। सबसे पहले आप उनको कंट्रोल करिए। सही मायने में राज्य की जनता के लिए कुछ करना चाहते हैं तो यह दंगे रुकवाइये।

खतरनाक तूफान का रुप ले रहा बिपारजॉय साइक्लोन, केरल से उत्तर में बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरब सागर में उठ रहे चक्रवाती तूफान 'बिपारजॉय' की स्पीड धीरे-धीरे बढ़ रही है। यह चक्रवात काफी तेजी से गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। इस चक्रवाती तूफान बिपारजॉय के कारण केरल में मानसून के शुरु होने की स्पीड थोड़ी धीमी हो सकती है। बताया जा रहा है कि अरब सागर में आया ये तूफान इस साल का पहला चक्रवाती तूफान है। वहीं, मौसम विज्ञानियों का कहना है कि चक्रवाती तूफान मानसून की तीव्रता को प्रभावित कर रहा है और केरल के ऊपर इसकी शुरुआत 'हल्की' रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, इसके उत्तर की ओर बढ़ने और एक बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने के आसार हैं। इसके बाद ये तूफान अगले 3 दिन में यह उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान बिपारजॉय पूर्व-मध्य और आस-पास के दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर पिछले 6 घंटों के दौरान 5 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग उत्तर की ओर बढ़ा है और एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है।

आईएमडी ने कहा कि यह चक्रवाती तूफान वर्तमान में गोवा के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में लगभग 860 किमी, मुंबई से 970 किमी दक्षिण पश्चिम, पोरबंदर से 1050 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और कराची से 1350 किमी दक्षिण में है। चक्रवात 'बिपारजॉय' अगले 24 घंटों के दौरान लगभग उत्तर की ओर फिर 3 दिनों के दौरान उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगा। इसके प्रभाव के कारण पूर्वोत्तर अरब सागर और उत्तरी गुजरात तट पर 45-55 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं और यह रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने मछुआरों को अगले कुछ दिनों तक समुद्र में नहीं उतरने की सलाह दी है। केरल-कर्नाटक तटों और लक्षद्वीप-मालदीव इलाकों में और कोंकण-गोवा-महाराष्ट्र तट पर 8 से 10 जून तक समुद्र में बहुत ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

इन तटों पर भी आईएमडी द्वारा समुद्र में गए मछुआरों को लौटने की सलाह दी गई है। एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर में चक्रवाती तूफानों की तीव्रता मानसून के बाद के मौसम में करीब 20 प्रतिशत और मानसून से पहले की अवधि में 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। अरब सागर में चक्रवाती तूफानों की संख्या में 52 प्रतिशत वृद्धि हुई है, वहीं बहुत गंभीर चक्रवाती तूफानों में 150 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण पश्चिमी मानसून सामान्य तौर पर 1 जून को केरल में आ जाता है। इसमें करीब 7 दिन कम या ज्यादा हो सकते हैं। आईएमडी ने मई के मध्य में कहा था कि मानसून 4 जून तक केरल पहुंच सकता है।

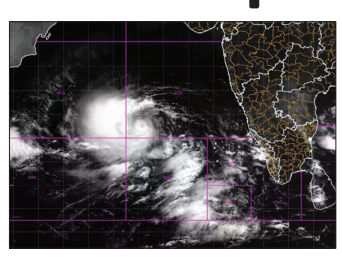

स्काईमेट ने पहले मानसून के 7 जून को केरल में दस्तक देने का पूर्वानुमान लगाया था और कहा था कि यह 3 दिन पहले या बाद में वहां पहुंच सकता है। पिछले करीब 150 साल में केरल में मानसून आने की तारीख में व्यापक बदलाव देखा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचीन में छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

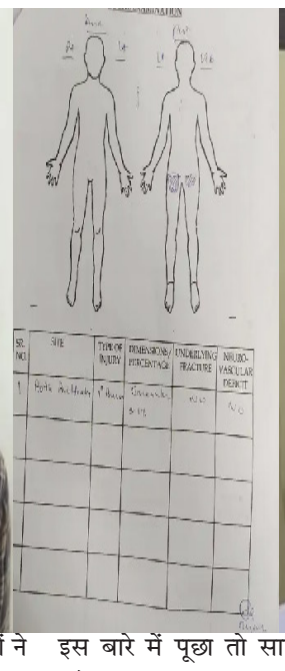

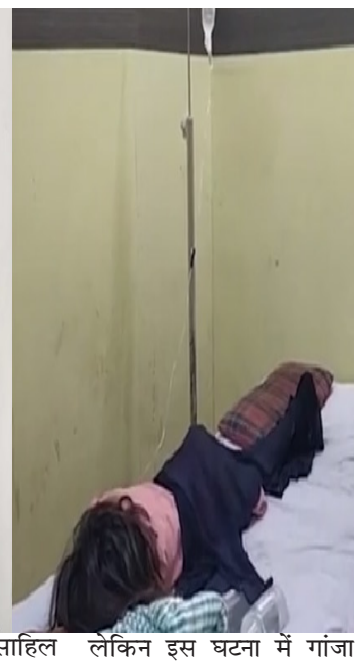

सुरत, सचिन स्लम रोड पर आए अपार्टमेंट में एक मजदूर वर्ग का परिवार अपने तीन बच्चों के साथ रहता है। मजदूर वर्ग के परिवार का आरोप है कि करीब में रहने वाले साहिल और उसकी पत्नी खुशी अक्सर बच्चों को बुलाकर गांजे की पैकिंग करवाते रहते है। लड़की की मां का आरोप है कि साहिल और उसकी पत्नी को पहले भी इस मामले में मना किया जा चूका है लेकिन वे मानने को तैयार ही नहीं। करीब तीन दिन पहले मजदूर दंपती रात के समय फैक्ट्री में काम करने गए और सुबह जब लौटे तो आसपास के लोगों ने उन्हें बताया कि छह साल की बच्ची को साहिल ने पीटा है। जब परिजनों द्वारा साहिल से इस बारे में पूछा तो साहिल और उसकी पत्नी ने बताया कि गांजा चुराने के कारण तुम्हारी बेटी को पीटा गया है। लेकिन इस घटना में गांजा विक्रेता साहिल और उसकी पत्नी पर आरोप है की उन दोनों ने छह साल की बेटी को अंडे और सैंडविच शेकने वाले मशीन से पीछे के भाग पर मारा गया। फिलहाल बच्ची को इलाज के लिए सूरत के नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में एसीपी आरएल मवानी ने बताया कि आरोपी साहिल ने युवती पर मोबाइल चोरी का आरोप लगाया था।

इसके बाद लड़की को पूछताछ के लिए अपने घर ले गया। जहाँ साहिल, उसकी पत्नी और मां ने लड़की को सैंडविच शेकने वाले मशीन से पीछे के भाग पर मारा गया। बच्ची की मां की शिकायत के आधार पर तीनों को हिरासत में लिया गया है।

भाजपा नगर पार्षद ने ग्रांट से मिले बेंच अपनी छत लगा दिए, वीडियो वायरल होने के बाद गायब किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,आम लोगों की सुविधा के लिए सार्वजनिक जगहों पर सरकारी अनुदान से बेंच इत्यादि लगाए जाते हैं। सूरत में भाजपा के एक नगर पार्षद ने सरकारी बेंचों को अपनी छत लगा दिए। जब इसका वीडियो वायरल हुआ तो पार्षद ने तीनों बेंच ही गायब कर दिए। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि भाजपा के नगर पार्षद घनश्याम मकवाणा ने किस प्रकार अपनी सत्ता का दुरुपयोग कर सरकारी ग्रांट से मिले बेंच को निजी उपयोग के लिए अपनी छत पर रखवा दिए। हांलाकि जब घनश्याम मकवाणा की करतूत सामने आई तो उसे छिपाने का प्रयास किया और बेंच को गायब कर दिया। बेंच के बारे में घनश्याम मकवाणा ने कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन यह माना कि कुछ दिन पहले बेंच सोसायटी में रखे थे।

कामुकता में युवक ने वह कर डाला जो उसे महंगा पड़ गया, डॉक्टर ने बड़ी मुश्किल से दिलाई मुक्ति

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी, नवसारी से एक हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें कामुक युवक ने बोतल में अपना शिश्न डाल दिया, जो बुरी तरह से फंस गया। नवसारी के सिविल अस्पताल के डॉक्टर ने काफी मशक्कत के बात पीड़ा से मुक्ति दिलाई।

नवसारी जिले के जलालपोर की यह घटना गत 2 जून की है, जब 28 वर्षीय युवक ने अपने घर में चरमसुख पाने का प्रयास किया।

विकृत आनंद पाने के लिए युवक ने अपना गुप्तांग प्लास्टिक की बोटल में डाल दिया, जो उसे महंगा पड़ गया। युवक का शिश्न बोतल में बुरी तरह से फंस गया। जिसे निकालने के लिए युवक ने काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। युवक ने बोतल निकालने के लिए होल के निकट से उसे काट दिया, लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। उसी स्थिति में युवक ने एक दिन निकाल दिया और उसके बाद किसी को कुछ बताए बगैर नवसारी सिविल अस्पताल पहुंच गया। जहां डॉक्टरों को युवक ने अपनी स्थिति बताई। जिसके बाद युवक को सीधे ऑपरेशन थियेटर ले गए। जहां करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद डॉक्टरों की टीम ने युवक के गुप्तांग में फंसे बोतल के अगले हिस्से बाहर निकाला।

गुजरात में दारूबंदी होने के बावजूद सूरत के उधना क्षेत्र में खुलेआम हो रहा है दारू का व्यापार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना क्षेत्र में और उसके आसपास के कई क्षेत्रों में शराब के ठेके बिना रोक-टोक के चल रहे हैं। शराब के ठेके के बारे में स्थानीय लोगों द्वारा कई बार पुलिस में शिकायत भी की गई है, लेकिन पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे स्थानीय लोग काफी परेशान हैं। आश्चर्य की बात यह है कि शराब के ठेके चलने के कारण सुबह के समय और रात के समय शराबियों द्वारा किसी के भी घर के आगे आकर सो जाते हैं। जहां मन करे वहां पेशाब करने लगते हैं साथ ही महिलाओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और कई बार तो महिलाओं के साथ छेड़छाड़ भी करते हैं। जिससे महिलाओं में शराबियों के प्रति और पुलिस के कार्य के प्रति काफी नाराजगी दिखाई दे रही है।

बार-बार शिकायत करने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। उधना क्षेत्र में अलग-अलग जगह पर देशी शराब की पोटलिया अक्सर देखने को मिलती है, जिससे स्पष्ट रूप से यह ज्ञात होता है कि पूरे क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर देशी शराब और इंग्लिश शराब के कई अड्डे बड़ी जोर शोर से चल रहे हैं। देशी शराब के लत पर चढ़े हुए शराबियों के कारण लोगों को परेशानीयों का सामना करना पड़ता है। लुहारनगर के कुछ लोगों द्वारा इकट्ठा होकर उन्हें वह से उठा कर भगाया गया, जो दृश्य सामने आया वह वाकई हैरान करने वाले है।

पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस का कार्य लोगों को करना पड़ रहा है। पुलिस करनी कुर्शी पर मस्त और जनता शराबियों से पस्त। स्थानीय युवतियों द्वारा बताया गया कि शराबियों द्वारा हमें कही आने जाने पर परेशान किया जाता है।

कई बार तो शराबी घर में घुस जाते हैं और मारामारी भी करने लगते हैं। कई बार तो हमें घर में अकेला देख छेड़छाड़ करने भी आ जाते हैं। दारुपीने आते हैं और घर के लोगों के साथ अभद्र भाषा का उपयोग करके झगड़ा करने लगते हैं और कई बार तो महिलाओं के शरीर को भी स्पर्श करते हैं। यह घटना काफी समय से चल रही है पुलिस में शिकायत भी की गई लेकिन पुलिस द्वारा कहा जाता है कि जिस समय शराब के ठेके चालू हो उस समय हमें फोन करके बताना। जब शराब के ठेके चालू होते हैं और पुलिस को फोन करते हैं तब स्थल पर आते ही उनके द्वारा पाया जाता है कि शराब के ठेके बंद है। जिसके बाद पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों को कहा जाता है कि यहां कहां पर शराब के ठेके हैं? लोगों में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि फोन करने के तुरंत बाद शराब के ठेके बंद भी हो जाते हैं और फिर से चालू भी हो जाते हैं। पुलिसकर्मियों द्वारा यहां इस तरह का खेल खेला जा रहा है। पुलिस आती है, जांच करती है और कहती है कि यहां कोई ठेके नहीं है। और इस तरह की बात कर के चली जाती है।

पुलिस ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के सरिये चुराने वाला गिरोह को पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत पुलिस ने जिले के शेखपुर गांव की सीमा से बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के सरिये चुराने वाले और खरीदने वाले समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने रु 559145 का माल-सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। बता दें कि बुलेट ट्रेन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसका अहमदाबाद से मुंबई के बीच तेजी से काम चल रहा है। इस प्रोजेक्ट में उपयोग किए जाने वाले सरिये इत्यादि की चोरी किए जाने की घटना सामने आई है। सूरत जिला पुलिस को सूचना मिली थी कि शेखपुर गांव की सीमा से गुजरने वाली अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन के लिए नया ट्रेक बिछाया जा रहा है, जिसके सरिये अंत्रोली में रहनेवाले पियूष,अक्षय और अश्विन ने चोरी की है। चोरी का माल घलुडी से सायण की ओर जानेवाले रोड पर कबाड़ व्यवसायी मुबारकअली को बेचा गया है। सूचना के आधार पुलिस ने अलग अलग जगह छापेमारी कर 8 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही रु 559145 का माल-सामान भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में पियूष भालिया, अक्षय पटेल, अश्विन वसावा, मुबारकअली, लक्ष्मणसिंह राजपूत, सत्तार शाह, शाहरुखखान पठान, अखिलेश सुराणा, महमद मेव, संजय भरवाड शामिल है।

एक ही सोसायटी में हार्ट अटैक से दो लोगों की मौत, एक की 18 साल और दूसरा 45 वर्ष थी आयु

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,पिछले कई दिनों से दिल का दौरा पड़ने से खासकर छोटी आयु के लोगों की मौत की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं। शादी में नाचते-गाते, क्रिकेट खेलती, जिम में कसरत करते या वाहन चलाते वक्त हार्ट अटैक से कई लोगों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब सूरत की एक ही सोसायटी में दो लोगों की दिल का दौरा पड़ने से मौत ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है। जिसमें एक 18 वर्षीय युवक कमलेश और दूसरा 45 वर्षीय नफीज शामिल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है। दिल का दौरा पड़ने से मौत की घटना से परिवार समेत स्थानीय लोगों में शोक व्याप्त है। बता दें कि दो दिन पहले ही जामनगर के विख्यात कार्डियोलोजिस्ट गौरव गांधी की भी हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। हजारों लोगों की हार्ट सर्जरी कर उन्हें नया जीवन देनेवाले गौरव गांधी की हार्ट अटैक से मौत की घटना वाकई चौंकाने वाली है। रात को अस्पताल से घर लौटने के बाद परिवार के साथ भोजन किया और सुबह हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई।

स्पा से पकड़ी गई दो बांग्लादेशी युवतियां नारी निकेतन से फरार,तलाश में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के एक स्पा से पुलिस ने दो बांग्लादेशी युवतियों को पकड़कर घोडदोड रोड स्थित नारी निकेतन में भेजा था। युवतियों को बांग्लादेश भेजा जाए उससे पहले ही दोनों फरार हो गईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवतियों की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक देहव्यापार के लिए सूरत लाई गईं दो युवतियों को सूरत पुलिस ने मुक्त करवाकर शहर के घोडदोड रोड स्थित नारी निकेतन में भेज दिया था। नारी निकेतन में युवतियों को पहली मंझिल पर रखा जाता है और भोजन के वक्त दूसरे कमरे में ले जाया जाता है। भोजन के लिए सभी युवतियां चली गईं, लेकिन बांग्लादेशी युवतियों ने ज्यादा नाश्ता कर लिया होने की वजह से भूख नहीं होने का बहाना बनाकर दूसरे कमरे में जाने से इंकार कर दिया। कुछ समय बाद जब भोजन करने गई युवतियां और नारी निकेतन केन्द्र कर्मचारी लौटे तो दोनों युवतियां गायब थीं। जिसके बाद पूरा नारी निकेतन खंगाल डाला गया, लेकिन दोनों का कहीं अता पता नहीं मिला। मुख्य गेट पर ताला होने और सिक्युरिटी गार्ड की मौजूदगी के बावजूद आखिर युवतियां कैसे भाग गईं, इसकी जांच करने पर पीछे की ओर स्थित रसोई घर की खिड़की की ग्रील टूटी मिली। दोनों युवतियां इस ग्रील से बाहर निकलकर बगल स्थित महानगर पालिका के पे एन्ड पार्क से होकर फरार हो गई थीं। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें स्पष्ट दिख रहा है कि किस प्रकार एकांत का फायदा उठाकर ग्रील तोड़कर फरार हो गईं। युवतियों को बांग्लादेश भेजा जाए उससे पहले दोनों के फरार होने पर पुलिस हरकत में आ गई और

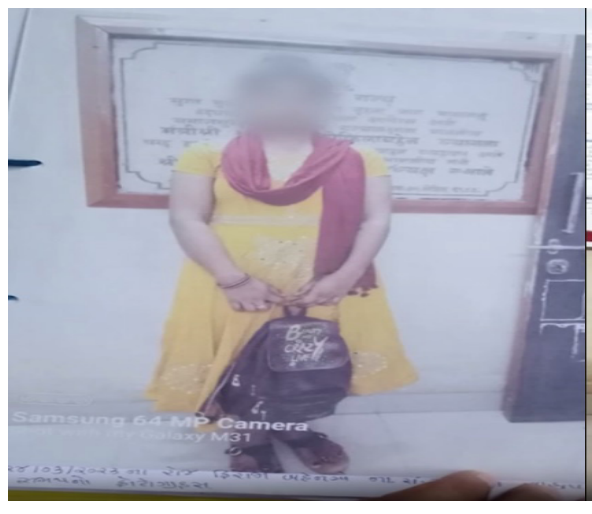

पुराने सचिवालय में विभिन्न कचहरियों में आग की घटनाओं को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात कांग्रेस ने पुराने सचिवालय की विभिन्न कचहरियों में आग लगने की बार बार होनेवाली घटनाओं पर सवाल उठाया है। यह भी सवाल किया कि यह कोई संयोग है या प्रयोग? कांग्रेस ने ऐसी घटनाओं की गुजरात हाईकोर्ट सीटिंग जज की निगरानी में इसकी जांच कराने की मांग की है। गुजरात प्रदेश कांग्रेसके प्रवक्ता मनीष दोशी ने सचिवालय के ब्लॉक नंबर 17 में पेन्शनरों-प्रोविडंड फंड, ट्रेजरी और कंट्रोल ऑफीस में आग लगने से संबंधित दस्तावेज जलकर खाक होने बड़ा नुकसान होने की खबर सामने आई है। भूतकाल में भी सचिवालय में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो चिंता और संदेह पैदा करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि गांधीनगर जिला पंचायत भवन के आंकडा भवन में भीषण लगी थी, जिसमें महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए थे। इसमें दो विभाग के रिकार्ड और 12 जितने कंप्यूटर स्वाहा हो गए थे। करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार से बचने के लिए भाजपा की बेचैनी जगजाहिर है। नए और पुराने सचिवालय समेत 15 जितनी सरकारी बिल्डिंगों के पास ही फायर एनओसी नहीं है और भाजपा सरकार बार बार सब सुरक्षित का दावा करती है। बार बार आग लगने की ऐसी घटनाओं में सुनियोजित तरीके से महत्वपूर्ण प्रमाण और प्रमाण नष्ट हो रहे हैं। मनीष दोशी ने कहा कि भूतकाल में कमिश्नर कचहरी में लगी आग में गरीब कल्याण मेला, गुजरात पंचायत अधिनियम 1993 के तहत पंचायत पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायतें, जिला पंचायत के पदाधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने के प्रावधान, ग्राम-तहसील-जिला पंचायत को सुपरसीड ये विसर्जन संबंधी कार्यवाही, पंचायत प्रमुख की हवाई यात्रा की मंजूरी, तहसील-जिला पंचायत को स्वनिधि से वाहन खरीदने की पूर्व मंजूरी इत्यादि दस्तावेजों की फाइलें खाक हो गई थीं। बड़े आश्चर्य की बात यह है कि गुजरात सरकार के कीमती दस्तावेज तो आग में जल गए, लेकिन अधिकारियों की कचहरी को कोई नुकसान नहीं हुआ।